तापमान
अधिकतम 34 .5 डिग्री
न्यूनतम 26 .4 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 26 जुलाई 2026

11 बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मशरूम उत्पादन का दिया प्रशिक्षण

12 खाली कराई जाएगी आईडीटीआर की जमीन, तारबंदी के लिए सरकार से मांगा जाएगा बजट

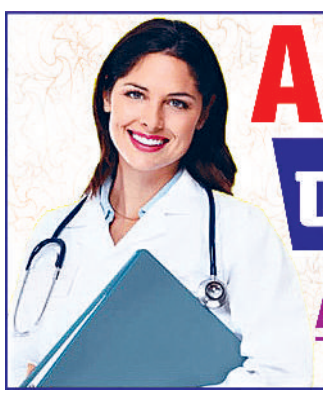
AIT KANINA PHARMACY COLLEGE
Approved by : AICTE & PCI, New Delhi
पॉलिटेक्निक करें नौकरी पाएं
B.PHARM (4 YEARS) D.PHARM (2 YEARS)
2 YEARS COURSE
ADMISSION OPEN
For Session 2026-27
Eligibility : 10+2 Pass (Medical & Non-Medical)
सीटें सीमित
पता : AIT Pharmacy College गाहड़ा रोड, कनीना Mob. : 9992696300, 9466464921

खबर संक्षेप

अश्लील हरकत करने का आरोपी दबोचा

धारूहेड़ा। पुलिस ने क्षेत्र के एक गांव में अश्लील हरकतें करने के मामले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर एक गांव निवासी मामन के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीड़ित की ओर से अश्लील हरकतें करने के आरोप लगाए थे। आरोपी 15 जुलाई को केस दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

हादसे का आरोपी पिकअप चालक गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने सड़क हादसे के आरोपी एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। जैसलमेर नेशनल हाइवे पर पिकअप की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ 24 जुलाई को केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद महेंद्रगढ़ के बसई निवासी राहुल को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पिकअप गाड़ी को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया।

हुड़दंगबाजी करने के आरोप में चार दबोचे

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंगबाजी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग मॉडल टाउन एरिया में सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंगबाजी कर रहे हैं। पुलिस ने एक स्थान से कंवाली निवासी गोविंद और शहबाजपुर इस्तमुरार निवासी रितिक को गिरफ्तार कर लिया। दूसरे मामले में पुलिस ने मूल रूप से बिहार निवासी विपिन व राजू को गिरफ्तार किया है। दोनों विजय नगर में किराए के मकान में रह रहे हैं।

दहेज प्रताड़ना मामले का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक गांव निवासी महिला सुमन ने पुलिस शिकायत में पति सहित ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट करने और दहेज नहीं लाने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। बाद में पुलिस ने 11 जून को केस दर्ज किया था। जींद के उचाना निवासी ब्रह्मपाल को गिरफ्तार किया गया है।

फरार चल रहा पीओ चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने कोर्ट से घोषित एक पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट में चल रहे मामले में छुरियावास निवासी राकेश लगातार अनुपस्थित चल रहा था। बार-बार सम्मन जारी होने के बावजूद वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ, तो उसे पीओ घोषित कर दिया गया था। कोर्ट के आदेश पर मॉडल टाउन थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 23 जुलाई को केस दर्ज करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग के एचआई, ब्रीडिंग चेकर व एमपीएचडब्ल्यू हुए अलर्ट, सोर्स रिडक्शन में कार्य तेज

लोगों की लापरवाही ने बढ़ाई स्वास्थ्य विभाग की चिंता लार्वा मिलने पर 25 दिनों में 618 को थमाए नोटिस

हेमंत शर्मा ⏭ रेवाड़ी

मानसून सीजन में जलभराव के बाद जलजनित व मच्छरजनित बीमारियों का खतरा ज्यादा बढ़ गया है। लोगों की लापरवाही ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। घरों में लार्वा मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीमें अब तक 927 लोगों को नोटिस थमा चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने जहां जून माह तक 309 लोगों को नोटिस थमाए थे, वही बरसात के बाद जलभराव होने से जुलाई के 25 दिनों में ही लार्वा मिलने 618 लोगों को नोटिस दिए जा चुके है। राहत की खबर ये है कि इस बार अभी तक डेंगू के मामले काफी कम है, लेकिन आगामी दिनों में डेंगू व मलेरिया के मामले बढ़ने की पूरी संभावना है। जिले में अब तक 3 डेंगू व 10 मलेरिया के पॉजिटिव केस मिल चुके है। गत वर्ष जिले में डेंगू के 297 पॉजिटिव केस मिले थे। मानसून के गति पकड़ने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस-अ, डायरिया को लेकर पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम की ओर से जिले में निगरानी बढ़ा दी गई है तथा सोर्स रिडक्शन का कार्य तेज कर दिया गया है। लोगों की लापरवाही की वजह से डेंगू के मच्छर एडीज व मलेरिया के मच्छर मादा एनोफलीज लार्वा भी पनपने लगा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अब तक 1104325 हाउस सर्च किए जा चुके है।

रेवाड़ी। लार्वा दिखने पर पशु खेल को खाली करते स्वास्थ्यकर्मी, ड्रम को खाली कराते हुए स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

स्कूल, पंचायत व लोगों के लिए गाइडलाइन

बरसात के मौसम में 2 तरह की बीमारी बहुत बढ़ती हैं। पहली मच्छर से होने डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया का खतरा बढ़ता है। डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है। इसलिए कूलर, गमले, फ्रीज-ट्रे व टायर में एक सप्ताह से ज्यादा पानी न रहने दें। बचाव के लिए पूरे कपड़े पहनें, मच्छरदानी लगाएं, घर के आसपास सफाई रखें। दूसरी गंदे पानी-खाने से टाइफाइड, पीलिया व दस्त हो जाते है, जिससे बचाव के लिए हमेशा उबला पानी पिएं। फल-सब्जी धोकर खाएं। खाने से पहले हाथ धोएं। बुखार आए तो घबराएं नहीं, लेकिन 2 दिन से ज्यादा रहे तो तुरंत अस्पताल में जांच कराएं।

नागरिकों को स्वास्थ्य विभाग के निर्देश

मच्छर नियंत्रण: घरों में कूलर, फ्रिज-ट्रे व फूलदान का पानी हर सप्ताह बदलें। पानी की टंकियों को ढककर रखें। घर के आसपास पानी जमा न होने दें।
जलजनित रोग से बचाव: हमेशा उबला हुआ या फिल्टर पानी पिएं। खाना ढककर रखें। बाहर से आने पर हाथ साबुन से धोएं।
लक्षण दिखे तो तुरंत जांच: तेज बुखार, शरीर दर्द, उल्टी-दस्त, पीला पड़ना, पेट दर्द होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

नगर परिषद की सुस्ती कर सकती है परेशान

शहर में मच्छरों के बढ़ने का कारण नगर परिषद की सुस्ती भी है। नगर परिषद की ओर से प्रति वर्ष फोगिंग कार्य में सुस्ती बरती जाती है। इस वर्ष भी शहर में फोगिंग कार्य सुस्त है। वही नगर परिषद पानी निकासी पर भी ध्यान नहीं दे रही है, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। स्वास्थ्य की ओर से प्रति वर्ष लार्वा मिलने पर हजारों लोगों को नोटिस दिए जाते है, लेकिन नगर परिषद की आज तक इन लोगों से जुर्माना तक नहीं वसूला है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से वर्ष 2023 में लार्वा मिलने पर 7674 लोगों, 2024 में 4406, 2025 में 3917 तथा 2026 में अब तक 927 लोगों को नोटिस दिए जा चुके है। जिले में हाउस सर्वे के कार्य के लिए 23 हेल्थ इंस्पेक्टरों के साथ, 45 ब्रीडिंग चेकर व 96 एमपीएचडब्ल्यू की टीम लगी हुई है। आशा कार्यकर्ता और डीबीसी, एमपीएचडब्ल्यू व एएनएम घर-घर जाकर बुखार सर्वे और ब्रीडिंग चेक कर रही है। फोगिंग और लार्वा नाशक दवा का छिड़काव भी किया जा रहा है।

मच्छरजनित बीमारियों से बचाव जरूरी

मानसून के मौसम में जलभराव के कारण जलजनित व मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। हेल्थ इंस्पेक्टरों, ब्रीड़िग चेकरों व एमपीएचडब्ल्यू को मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए सतर्क रहने के निर्देश दे रहे है। हरियाणा में हर साल जुलाई-सितंबर में वेक्टर-जनित बीमारियों के केस बढ़ते हैं। कूलर, टंकी, फ्रीज-ट्रे व गमले में जमा पानी मच्छर पनपने का मुख्य कारण है। सफाई, सुरक्षा व समय पर इलाज ही जागरूकता है।
-डा. जोगेन्द्र तंवर, मलेरिया नोडल अधिकारी।

यूजी प्रथम वर्ष दाखिले के लिए रविवार को भी खुला रहेगा अहीर कॉलेज

रेवाड़ी। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहीर महाविद्यालय रविवार 26 जुलाई को भी खुला रहेगा। कॉलेज की प्राचार्या डा. उर्मिला शर्मा ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया को सुचारु एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से अवकाश के दिन भी महाविद्यालय में प्रवेश संबंधी सभी कार्य नियमित रूप से किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कला, वाणिज्य व विज्ञान संकाय सहित यूजी प्रथम वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दस्तावेज सत्यापन, आवेदन पत्रों की जांच तथा अन्य आवश्यक औपचारिकताएं रविवार को भी पूरी कराई जाएंगी। उन्होंने प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे निर्धारित समय पर सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों एवं उनकी स्वप्रमाणित प्रतियों के साथ महाविद्यालय पहुंचें, ताकि प्रवेश प्रक्रिया बिना किसी असुविधा के समय पर पूरी हो सकें। प्राचार्या डा. शर्मा ने कहा कि महाविद्यालय प्रशासन का प्रयास है कि किसी भी विद्यार्थी को केवल अवकाश के कारण प्रवेश संबंधी कार्यों में परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी उद्देश्य से रविवार को भी महाविद्यालय खुला रखने का निर्णय लिया गया है।

डा. उर्मिला शर्मा

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

धारूहेड़ा। शुक्रवार की रात जंगल बैबलर पर्यटन केंद्र के पास ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। रेवाड़ी के जैनपुरी निवासी 39 वर्षीय हेमकरण बाइक पर अपने दो दोस्तों के साथ कहीं जा रहा था।

पर्यटन केंद्र के पास बाइक को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में हेमकरण सड़क पर गिर गया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। ट्रक चालक हादसे के बाद फरार हो गया। आसपास के लोगों ने उसे ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी के दो आरोपी दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने शेयर मार्केट में निवेश करने के नाम पर 14.45 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में संलिप्त दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। गत वर्ष 20 सितंबर को सेक्टर-3 निवासी विनोद कुमार ने पुलिस शिकायत में बताया था कि वह दवाओं की मार्केटिंग का कार्य करता है। उसने 18 अगस्त 2025 को अपने मोबाइल फोन पर शेयर मार्केट में पैसा निवेश करने के लिए ऐप डाउनलोड किया था। ऐप पर खाता बनाने के बाद उसने शुरूआत में 5 हजार रुपये अपने बैंक खाते से ऐप में बने खाते में ट्रांसफर किए थे। वह अपने और अपनी पत्नी के बैंक खातों से पैसा ट्रांसफर करता रहा। उसने 3 सितंबर 2025 तक लगभग 14.45 लाख रुपये ऐप के जरिए ट्रांसफर कर दिए। उसके खाते में 4949697 रुपये दिखाए गए। जब उसने यह रकम वापस निकालने का प्रयास किया, तो उसे इस रकम का 10 फीसदी हिस्सा और जमा कराने के लिए कहा गया। इसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ। जिस पर पुलिस ने साइबर थाना रेवाड़ी में ठगी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दो आरोपी गिरफ्तार किए थे। इस मामले में पुलिस ने दो और आरोपी महाराष्ट्र के जिला कोल्हापुर के शिवनेरी अपार्टमेंट हाल आबाद फुलेवाडी फर्स्ट बस स्टॉप दत्ता मंदिर बाजुला कोल्हापुर निवासी संतोष मधुसूदन नार्वेकर व जिला कोल्हापुर के गजानन महाराज नगर संभाजी नगर निवासी राहुल राजेन्द्र कदम को भी गिरफ्तार कर लिया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में ठगी के आरोपी।

दो आरोपियों को पहले किया जा चुका गिरफ्तार

बैंक खाते में ट्रांसफर हुई थी राशि

पुलिस के अनुसार आरोपी संतोष मधुसूदन नार्वेकर के बैंक खाते में ठगी के 4 लाख 50 हजार रुपये ट्रांसफर हुए थे, जबकि राहुल राजेन्द्र कदम ने साइबर ठगों को खाता मुहैया कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। उनके अन्य साथियों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

एक सप्ताह तक मौसम में बदलाव की संभावना, आज भी बूंदाबांदी के आसार

दिनभर भारी उमस ने सताया, शाम को बूंदाबांदी से राहत

रेवाड़ी। शनिवार शाम को आसमां में छाए बरसात के बादल। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

मानसून सीजन शुरू होने के बाद हल्की से मध्यम बारिश तो हुई है, परंतु भारी बारिश का इंतजार खत्म नहीं हुआ है। हल्की बारिश या बूंदाबांदी के आसमान साफ होते ही उमस भरी गर्मी जमकर परेशान करती है। बूंदाबांदी के बाद मौसम सुहाना हो जाता है। इस सप्ताह मौसम का मिजाज इसी तरह का बना रहा। आने वाले सप्ताह में भी मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है। शनिवार को सुबह 8 बजे तक चौबीस घंटों के दौरान मनेठी खंड में सर्वाधिक 3.3 एमएम बारिश हुई। कोसली खंड में 3 एमएम, बावल व डहीना में 2 एमएम, धारूहेड़ा व रेवाड़ी में 1 एमएम बारिश दर्ज की गई। इस अवधि में नाहड़ और पाल्हावास खंड़ों में बारिश नहीं हुई। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। दोपहर तक एक बार आसमान साफ होने के बाद वातावरण में उमस बन गई, जिससे शाम तक लोगों को भारी गर्मी का सामना करना पड़ा। हवा में नमी का स्तर बढ़ने के कारण उमस भरी गर्मी आसमान साफ होते ही परेशान करने लगती है। बूंदाबांदी के बाद मौसम सुहाना हो जाता है। उमस के कारण पंखे और कूलर की हवा भी बेअसर साबित होने लगती है, जिससे लोगों का पसीना नहीं सूख पाता। मानसून आने के बाद जिले में अभी तक भारी बारिश नहीं हुई है, जिससे गर्मी का असर भी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार शाम को शहर में बरसात के बादल छाए गए और बूंदाबांदी भी हुई।

बिजली निगम को मिल रही राहत

बारिश शुरू होने के बाद बिजली निगम को भी काफी राहत मिल गई है। बिजली की दैनिक खपत कम होकर 80 लाख यूनिट के आसपास आ गई है, जिससे लोगों को पावर कटों से राहत मिल रही है। इस समय मांग के अनुसार बिजली उपलब्ध है, जिस कारण बिना कट बिजली की आपूर्ति की जा रही है। इससे पूर्व गर्मी बढ़ते ही बिजली की खपत 95 लाख यूनिट के पार पहुंच गई थी।

लगातार चौथे दिन बढ़ा तापमान

तापमान में लगातार चौथे दिन भी वृद्धि दर्ज की गई। शनिवार को अधिकतम तापमान 2.9 डिग्री की वृद्धि के साथ 34.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 0.6 डिग्री बढ़कर 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले सप्ताह भी मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिलेगा। आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी या हल्की बरसात होने की संभावना रहेगी। इस दौरान कुछ इलाकों में मध्यम से भारी बारिश भी हो सकती है। तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

लाइब्रेरी के लिए घर से निकली युवती हुई लापता

रेवाड़ी। थाना सदर अंतर्गत एक गांव में लाइब्रेरी जाने के लिए घर से निकली युवती लापता हो गई। युवती की मां ने अपने बेटे के साले पर युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद युवती व आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में युवती की मां ने बताया कि उसकी बेटी गांव की लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए जाती थी। वह 22 जुलाई को घर से लाइब्रेरी के लिए निकली थी। लाइब्रेरी जाने के 15 मिनट बाद ही वह वहां से निकल गई। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। उसकी मां ने आरोप लगाया कि बड़े बेटे का साला विवेक अक्सर अपनी बहन से मिलने के बहाने उनके घर पर आता रहता था। रिश्तेदार होने के नाते उस पर संदेह नहीं किया गया, लेकिन अब वही उसकी बेटी को झांसा देकर भगा ले गया है।

SOMANY EDUCATIONAL INSTITUTIONS
25+ YEARS OF EXPERIENCE IN EDUCATION
* Somany Institute of Technology and Management * Somany College of Pharmacy
ADMISSIONS OPEN
COURSES OFFERED
SITM Courses
• B.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
• M.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
• BBA • BCA • MBA
SCP Courses
• D.Pharma
• B.Pharma
Upto 100% Scholarship
Facilities
• Experienced Faculty
• Modern Infrastructure
• Well Equipped Labs
• Placement Assistance
• Holistic Development
Delhi - Jaipur Highway, NH - 48, Near Rewari City Sector 26
www.somanyncr.in | www.somanycollegeofpharmacy.in
ADMISSION HELPLINE 9541069998 | 01274-261239 | 9034717734 | 7082539268

पिछले कुछ वर्षों में भारत में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। छोटे शहरों और कस्बों के निवेशक भी अब म्यूचुअल फंड को बचत और निवेश का महत्वपूर्ण माध्यम मानने लगे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, आसान निवेश प्रक्रिया, वित्तीय जागरूकता और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावनाओं ने म्यूचुअल फंड उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मिड और स्मॉल कैप फंडों में बढ़ती भागीदारी इसी बदलाव का परिणाम मानी जा रही है।

मिड और स्मॉल कैप फंडों पर निवेशकों का भरोसा कायम

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- *बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद बन रहे पहली पसंद*
- *दो वर्षों में करोड़ों नए निवेशक जुड़े, दीर्घकालिक रिटर्न से बढ़ा विश्वास*
- *विशेषज्ञों ने ऊंचे वैल्यूएशन के बीच सतर्क निवेश की दी सलाह*

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के दौरान कई बार तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में बदलाव और घरेलू बाजार में समय-समय पर आई गिरावट के बावजूद भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड कैप और स्मॉल कैप म्यूचुअल फंडों पर लगातार मजबूत बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों का किया गया एक अहम विश्लेषण है। रिपोर्ट बताती है कि बाजार की अस्थिरता निवेशकों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। इसके विपरीत, बड़ी संख्या में नए निवेशकों ने इन श्रेणियों में निवेश शुरू किया और पहले से निवेश कर रहे लोगों ने भी अपना निवेश जारी रखा। पोर्ट के अनुसार, जून 2024 से जून 2026 के बीच मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। जून 2024 में जहां मिड कैप फंडों के फोलियो की संख्या लगभग 1.53 करोड़ थी, वहीं जून 2026 तक यह बढ़कर 2.55 करोड़ हो गई। इसी अवधि में स्मॉल कैप फंडों के फोलियो 2.03 करोड़ से बढ़कर 2.87 करोड़ तक पहुंच गए। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि निवेशकों का रुझान केवल बड़े बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे बेहतर संभावनाओं वाली मध्यम और छोटी कंपनियों में भी निवेश के अवसर तलाश रहे हैं।

सभी ओपन-एंडेड इक्विटी फंड फोलियो का 32 प्रतिशत हिस्सा

आज मिड कैप और स्मॉल कैप फंड मिलकर देश के सभी ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड फोलियो का 32 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन चुके हैं। यह हिस्सा लगातार बढ़ रहा है, जो बताता है कि भारतीय निवेशकों की सोच अब लंबी अवधि के निवेश और संपत्ति निर्माण की ओर तेजी से बदल रही है। इस बढ़ते भरोसे के पीछे सबसे बड़ा कारण इन श्रेणियों का मजबूत दीर्घकालिक प्रदर्शन है। 30 जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, मिड कैप फंडों ने पिछले तीन वर्षों में 18.76 प्रतिशत का चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) और पांच वर्षों में 16.33 प्रतिशत का सीएजीआर दिया है। वहीं स्मॉल कैप फंडों ने तीन वर्षों में 17.68 प्रतिशत तथा पांच वर्षों में 17.06 प्रतिशत का सीएजीआर रिटर्न निवेशकों को उपलब्ध कराया।

उतार-चढ़ाव की संभावना ज्यादा

यह समझना जरूरी है कि अधिक रिटर्न के साथ जोखिम भी अधिक होता है। मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। यही कारण है कि बाजार में गिरावट आने पर इन श्रेणियों में नुकसान भी अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। इसके बावजूद निवेशकों का विश्वास इसलिए बना हुआ है क्योंकि वे अब अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक निवेश रणनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं। निवेशकों का यह भरोसा केवल फोलियो की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में भी साफ दिखाई देता है। जून 2025 में मिड कैप फंडों का एयूएम 4.32 लाख करोड़ रुपये था, जो जून 2026 तक बढ़कर 5.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह स्मॉल कैप फंडों का एयूएम 3.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 4.30 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

निवेशक सतर्क रहें

आईसीआरए एनालाइस्टिक ने निवेशकों को सतर्क रहने की भी सलाह दी है। संस्था का कहना है कि वर्तमान समय में मिड और स्मॉल कैप शेयरों के वैल्यूएशन अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर हैं। यदि आने वाले समय में कंपनियों की आय (कॉरपोरेट अर्निंग्स) बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ती है, तो इन श्रेणियों में करेक्शन देखने को मिल सकता है। ऐसे में निवेशकों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि पिछले वर्षों जैसा रिटर्न भविष्य में भी निश्चित रूप से मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में इन फंडों का प्रदर्शन केवल वैल्यूएशन बढ़ने पर नहीं, बल्कि कंपनियों के वास्तविक कारोबार और मुनाफे में वृद्धि पर निर्भर करेगा।

क्या कहते हैं आंकड़े

वित्तीय सलाहकारों का सुझाव है कि मिड और स्मॉल कैप फंडों में निवेश हमेशा लंबी अवधि के लक्ष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने के बजाय नियमित एसआईपी के माध्यम से निवेश करना अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। साथ ही निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए, ताकि जोखिम और रिटर्न दोनों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

कुल मिलाकर, एएमएफआई और आईसीआरए एनालाइस्टिक के ताजा आंकड़े यह संकेत देते हैं कि भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड और स्मॉल कैप फंडों पर पहले से अधिक मजबूत हुआ है। बेहतर दीर्घकालिक प्रदर्शन और नियमित निवेश ने इन श्रेणियों को लोकप्रिय बनाया है। हालांकि, ऊंचे वैल्यूएशन और संभावित बाजार उतार-चढ़ाव को देखते हुए निवेशकों को संयम, विविधीकरण और लंबी अवधि की रणनीति अपनाकर ही निवेश करना चाहिए। यही तरीका भविष्य में बेहतर और टिकाऊ संपत्ति निर्माण का आधार बन सकता है।

मृत्यु के बाद क्लेम होगा आसान

नॉमिनेशन व वसीयत अब भी जरूरी

सेबी ने एएमएफआई के मानकों में बदलाव कर दी बड़ी राहत | अब परिवारों को आर्थिक और मानसिक परेशानियां नहीं झेलनी होंगी | रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से नहीं होगी दिक्कत

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण और निवेशक हितैषी कदम उठाया है। निवेशक की मृत्यु के बाद उसके परिवार या कानूनी उत्तराधिकारियों को म्यूचुअल फंड यूनिट्स का ट्रांसमिशन (हस्तांतरण) कराने में अक्सर कई तरह की तकनीकी और दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पते में अंतर, नाम की स्पेलिंग अलग होना, हस्ताक्षर मेल न खाना या पुराने रिकॉर्ड जैसी छोटी-छोटी वजहों से क्लेम महीनों तक लंबित रहता था। कई मामलों में परिवारों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती थीं। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सेबी ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मानकों में बदलाव कर ट्रांसमिशन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी निवेशक के निधन के बाद उसके परिवार को तकनीकी कारणों से अनावश्यक परेशान न होना पड़े।

पते में अंतर अब नहीं बनेगा बड़ी बाधा

पहले यदि म्यूचुअल फंड फोलियो में दर्ज पता और क्लेम के समय दिए गए दस्तावेजों का पता अलग होता था, तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) क्लेम रोक देती थी। अब वैध और अद्यतन दस्तावेजों के आधार पर नया पता स्वीकार किया जा सकेगा। इससे पुराने रिकॉर्ड के कारण होने वाली देरी काफी हद तक समाप्त होगी।

छोटी गलतियां भी होंगी स्वीकार

अक्सर पैन कार्ड, आधार, बैंक खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से ट्रांसमिशन अटक जाता था। अब आधार, पासपोर्ट जैसे सेल्फ-सर्टिफाइड दस्तावेजों के आधार पर ऐसे मामलों का समाधान किया जा सकेगा। हस्ताक्षर मेल न खाने की स्थिति में भी रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) निर्धारित प्रक्रिया के तहत समाधान करेंगे।

सभी एएमसी में एक जैसी प्रक्रिया

सेबी ने एएमएफआई को निर्देश दिया है कि सभी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों और संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पूरे देश में ट्रांसमिशन प्रक्रिया एक समान तरीके से लागू हो। इससे निवेशकों को अलग-अलग फंड हाउस में अलग नियमों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कौन क्लेम कर सकता है?

- क्लेम की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश किस प्रकार किया गया था।
- यदि निवेश संयुक्त नाम से है और एक निवेशक का निधन हो जाता है, तो जीवित धारक यूनिट्स अपने नाम कराने के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि निवेश एकल नाम से है और नॉमिनी दर्ज है, तो नॉमिनी ट्रांसमिशन के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि नॉमिनी नहीं है, तो कानूनी उत्तराधिकारी को उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर दावा करना होगा। ऐसे मामलों में प्रक्रिया अपेक्षाकृत लंबी हो सकती है।

किन दस्तावेजों की होगी जरूरत?

■ ट्रांसमिशन रिक्वेस्ट फॉर्म ■ निवेशक का मृत्यु प्रमाणपत्र ■ पैन कार्ड ■ केवाईसी दस्तावेज ■ बैंक खाते का प्रमाण ■ यदि नॉमिनी नहीं है तो सक्सेशन सर्टिफिकेट, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य कानूनी दस्तावेज भी प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं।

किन कारणों से अटकेगा क्लेम?

- नॉमिनी का नाम दर्ज न होना।
- केवाईसी अधूरा या पुराना होना।
- बैंक, पैन और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में अलग-अलग जानकारी होना।
- कानूनी उत्तराधिकारियों के बीच विवाद।
- अलग-अलग एएमसी में कई फोलियो होने से दस्तावेजी प्रक्रिया जटिल होना।

आज ही करें ये चार काम

- पहला, हर म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी अवश्य दर्ज करें और समय-समय पर उसकी समीक्षा करें।
- दूसरा, पैन, आधार, खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, पता और अन्य विवरण समान रखें।
- तीसरा, यदि आपका निवेश बड़ा है तो केवल नॉमिनेशन पर निर्भर न रहें। एक विधिवत वसीयत तैयार करें। यह संपत्ति के अंतिम उत्तराधिकार को लेकर भविष्य के विवादों से बचाती है।
- चौथा, अपने परिवार को यह जानकारी अवश्य दें कि आपने किन-किन म्यूचुअल फंडों में निवेश किया है। कई बार परिवार को निवेश की जानकारी ही नहीं होती, जिससे वर्षों तक रकम बिना क्लेम के पड़ी रहती है।

नॉमिनी व उत्तराधिकारी में अंतर समझें

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि नॉमिनी निवेश का अंतिम मालिक होता है, जबकि ऐसा हमेशा नहीं होता। नॉमिनी निवेश की राशि प्राप्त करने का अधिकृत व्यक्ति होता है। अंतिम स्वामित्व उत्तराधिकार कानून या वैध वसीयत के अनुसार तय होता है। बड़े निवेश वाले परिवारों के लिए एस्टेट प्लानिंग-वसीयत तैयार करना महत्वपूर्ण है।

निवेशक हित में बड़ा सुधार

सेबी का यह कदम ऐसे समय आया है, जब देश में म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही। करोड़ों निवेशक एसआईपी व अन्य योजनाओं के माध्यम से लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे हैं। ऐसे में निवेशक की मृत्यु के बाद परिवार को सरल- समयबद्ध तरीके से राशि मिलना वित्तीय व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक है। सेबी के नए दिशा-निर्देश न केवल ट्रांसमिशन प्रक्रिया को तेज-पारदर्शी बनाएंगे, बल्कि निवेशकों में भरोसा मजबूत करेंगे कि उनकी मेहनत की कमाई जरूरत पड़ने पर बिना कानूनी बाधाओं के परिवार तक पहुंच सकेगी।

जानें जोखिम पोर्टफोलियो और टैक्स से जुड़े जरूरी नियम

सिर्फ रिटर्न नहीं, इन पैमानों पर चुनें सही म्यूचुअल फंड

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड आज करोड़ों भारतीयों की निवेश यात्रा का अहम हिस्सा बन चुके हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश कर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। लेकिन बाजार में हजारों म्यूचुअल फंड योजनाएं उपलब्ध होने के कारण सबसे बड़ी चुनौती सही फंड का चुनाव करना है। अक्सर निवेशक पिछले एक साल का रिटर्न या पांच स्टार रेटिंग देखकर फैसला ले लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यही सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। दरअसल, किसी भी म्यूचुअल फंड का मूल्यांकन केवल रिटर्न के आधार पर नहीं किया जा सकता। फंड का जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर और निवेश का उद्देश्य जैसे कई पहलू भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि दो फंडों में से किसी एक को चुनना है, तो कुछ बुनियादी मानकों को समझना बेहद जरूरी है।

सबसे पहले एक जैसी श्रेणी के फंड की तुलना करें

किसी भी तुलना की शुरुआत सही आधार से होनी चाहिए। यदि एक फंड लार्ज कैप है और दूसरा मिड कैप, तो दोनों की तुलना करना उचित नहीं होगा। दोनों का निवेश उद्देश्य, जोखिम और संभावित रिटर्न अलग-अलग होते हैं। यदि आपका लक्ष्य स्थिरता और अपेक्षाकृत कम जोखिम है, तो लार्ज कैप फंडों की तुलना करें। यदि अधिक जोखिम लेकर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो मिड कैप- स्मॉल कैप श्रेणी के भीतर विकल्प चुनें।

डायरेक्ट-रेगुलर प्लान में अंतर

हर म्यूचुअल फंड में निवेश के दो विकल्प होते हैं—डायरेक्ट और रेगुलर। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के माध्यम से निवेश करता है। इसमें किसी एजेंट का कमीशन नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम रहता है और लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। रेगुलर प्लान उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें वित्तीय सलाहकार की सहायता की जरूरत होती है।

केवल रिटर्न नहीं, एक्सपेंस रेशियो भी देखें

दो फंड यदि लगभग समान रिटर्न दे रहे हैं, तो कम एक्सपेंस रेशियो वाला फंड बेहतर माना जाता है। एक्सपेंस रेशियो वह वार्षिक शुल्क है जो एएमसी आपके निवेश के प्रबंधन के बदले लेती है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15-20 वर्षों की लंबी अवधि में यही अंतर लाखों रुपये के अतिरिक्त रिटर्न में बदल सकता है।

दोनों फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहे हैं

कई निवेशक अलग-अलग फंड खरीद लेते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि दोनों की शीर्ष 10 होल्डिंग लगभग एक जैसी हैं। निवेश से पहले दोनों फंडों की प्रमुख होल्डिंग और सेक्टर एलोकेशन अवश्य देखें। जोखिम के मुकाबले रिटर्न का मूल्यांकन करें। हर अधिक रिटर्न देने वाला फंड बेहतर नहीं होता।

रिश्ते में प्यार के साथ पैसों की समझ भी जरूरी

पति-पत्नी की कमाई में बड़ा-अंतर हो तो कैसे बनाएं फाइनेंशियल प्लान

बिजनेस डेस्क। शादी केवल दो लोगों का भावनात्मक रिश्ता नहीं, बल्कि दो आर्थिक जिम्मेदारियों का भी मिलन है। आज के दौर में बड़ी संख्या में पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं, लेकिन अक्सर उनकी आय समान नहीं होती। किसी की सैलरी अधिक होती है तो कोई अपेक्षाकृत कम कमाता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह होता है कि घर का खर्च कैसे बांटा जाए, ताकि न किसी एक पर आर्थिक बोझ बढ़े और न रिश्ते में असंतुलन पैदा हो। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सफल वैवाहिक जीवन की नींव केवल भरोसे और प्यार पर नहीं, बल्कि पारदर्शी वित्तीय योजना पर भी टिकी होती है। पैसों को लेकर स्पष्ट समझ और नियमित संवाद भविष्य के विवादों से बचाता है। दोनों को आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस कराता है।

हर परिवार के लिए एक जैसा फॉर्मूला नहीं

फाइनेंशियल प्लानिंग का कोई सार्वभौमिक नियम नहीं होता। हर परिवार की आय, जिम्मेदारियां, जीवनशैली और भविष्य के लक्ष्य अलग-अलग होते हैं। किसी दूसरे का मॉडल अपनाने के बजाय अपनी परिस्थितियों के अनुसार वित्तीय व्यवस्था बनाना समझदारी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई भी निर्णय दोनों की सहमति और सुविधा से लिया जाए। आर्थिक मामलों में पारदर्शिता रिश्ते को मजबूत बनाती है।

क्या आधा-आधा खर्च बांटना सही है?

कई दंपती यह मान लेते हैं कि सभी खर्च 50-50 प्रतिशत बांट देना बराबरी का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन यह हर स्थिति में उचित नहीं होता। मान लीजिए पति की मासिक आय 1.50 लाख और पत्नी 50,000 रुपये कमाती हैं। यदि दोनों 40-40 हजार घर के खर्च में दें, तो पत्नी की आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाएगा, जबकि पति के पास बचत और निवेश के लिए पर्याप्त राशि बची रहेगी। ऐसी व्यवस्था आर्थिक रूप से संतुलित नहीं मानी जाती क्योंकि इससे कम आय वाले साथी पर अपेक्षाकृत अधिक दबाव पड़ता है।

आय के अनुपात में खर्च बांटना बेहतर विकल्प

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार यदि पति-पत्नी की आय में बड़ा अंतर है तो खर्च भी आय के अनुपात में बांटना अधिक व्यावहारिक होता है। उदाहरण के लिए यदि एक साथी कुल आय का 70 प्रतिशत कमाता है और दूसरा 30 प्रतिशत, तो साझा खर्चों में योगदान भी लगभग उसी अनुपात में रखा जा सकता है। इस व्यवस्था से दोनों के पास बचत, निवेश और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए पर्याप्त धन बचता है।

जॉइंट अकाउंट हो सकता है अच्छा समाधान

- आज कई कामकाजी दंपती साझा खर्चों के लिए जॉइंट बैंक अकाउंट का विकल्प अपना रहे हैं।
- इस व्यवस्था में दोनों अपनी आय का एक तय हिस्सा संयुक्त खाते में जमा करते हैं। इसी खाते से घर का किराया, ईएमआई, राशन, बिजली-पानी, बच्चों की फीस और अन्य साझा खर्च पूरे किए जाते हैं। वहीं शेष राशि दोनों अपने व्यक्तिगत खातों में रखते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता भी मिलती है। इससे न तो हर छोटे खर्च का हिसाब देना पड़ता है और न ही वित्तीय तनाव बढ़ता है।

बचत और निवेश की भी संयुक्त रणनीति बनाएं

घर का बजट केवल खर्च तक सीमित नहीं होना चाहिए। पति-पत्नी को मिलकर भविष्य के वित्तीय लक्ष्य तय करने चाहिए। इनमें आपातकालीन फंड, बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, रिटायरमेंट फंड, स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, म्यूचुअल फंड एसआईपी और अन्य निवेश शामिल हो सकते हैं। दोनों नियमित निवेश करते हैं, तो आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है।

पैसों पर खुलकर बात करना जरूरी

भारतीय परिवारों में अक्सर पैसों को लेकर खुलकर चर्चा नहीं होती। यही भविष्य में गलतफहमियों और विवादों का कारण बन सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पति-पत्नी को अपनी आय, खर्च, कर्ज, निवेश और भविष्य की योजनाओं पर नियमित रूप से बातचीत करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

- एक-दूसरे से आय या कर्ज की जानकारी छिपाना।
- बिना चर्चा के बड़े वित्तीय फैसले लेना।
- केवल एक व्यक्ति पर पूरे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी डाल देना।
- आपातकालीन फंड न बनाना।
- बीमा और निवेश को नजरअंदाज करना।
- हर खर्च का अत्यधिक हिसाब से तनाव पैदा करना।

एसआईपी और एसडब्ल्यूपी की स्मार्ट रणनीति से रिटायरमेंट के बाद मिल सकती है नियमित आय

1,000 रुपये की एसआईपी से बन सकता 1 करोड़ का रिटायरमेंट फंड

हर वर्ष 10% बढ़ाएं एसआईपी कंपाउंडिंग की ताकत से तैयार होगा बड़ा कॉर्पस

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड बनाने के लिए हमेशा मोटी सैलरी होना जरूरी नहीं है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निवेशक कम उम्र में नियमित निवेश शुरू करे, हर साल निवेश बढ़ाता रहे और लंबी अवधि तक अनुशासन बनाए रखे, तो छोटी-सी एसआईपी भी करोड़ों रुपये का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकती है। इसके बाद उसी फंड से सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के जरिए हर महीने नियमित आय भी प्राप्त की जा सकती है। दरअसल, एसआईपी और एसडब्ल्यूपी एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां एसआईपी नौकरी के दौरान धीरे-धीरे संपत्ति बनाने का माध्यम है, वहीं एसडब्ल्यूपी रिटायरमेंट के बाद उसी संपत्ति को नियमित मासिक आय में बदलने का तरीका है। यदि दोनों का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो व्यक्ति बिना आर्थिक तनाव के रिटायरमेंट का जीवन बिता सकता है।

कैसे काम करती है एसआईपी+ एसडब्ल्यूपी रणनीति

मान लीजिए कोई व्यक्ति 28 वर्ष की उम्र में नौकरी शुरू करता है और हर महीने केवल 1,000 की एसआईपी शुरू करता है। वह अपनी आय बढ़ने के साथ हर साल एसआईपी की राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है और 60 वर्ष की उम्र तक लगातार निवेश करता रहता है।

इस उदाहरण से समझें

- निवेश शुरू करने की आयु : 28 वर्ष
- शुरुआती एसआईपी : 1,000 प्रति माह
- हर साल एसआईपी में बढ़ोतरी : 10%
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 12%
- निवेश अवधि : 32 वर्ष

यह भी जानें

- कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये
- कुल लाभ : लगभग 80.98 लाख रुपये
- यानी निवेशक ने करीब 24 लाख रुपये जमा किए, लेकिन कंपाउंडिंग और नियमित निवेश बढ़ाने की वजह से रिटायरमेंट तक उसका फंड एक करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

असली ताकत है स्टेप अप एसआईपी

इस उदाहरण की सबसे महत्वपूर्ण बात 1,000 रुपये की शुरुआती एसआईपी नहीं, बल्कि हर साल उसमें 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अधिकांश लोगों की आय समय के साथ बढ़ती है। यदि वे हर साल अपनी एसआईपी भी बढ़ाते रहें तो बिना अतिरिक्त आर्थिक दबाव के बड़ी पूंजी तैयार की जा सकती है। यदि एसआईपी की राशि पूरे 32 वर्षों तक 1,000 रुपये ही रखी जाए तो एक करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। इसलिए हर वेतन वृद्धि के साथ एसआईपी बढ़ाने की आदत लंबी अवधि में लाखों रुपये का अतिरिक्त लाभ दिला सकती है।

क्या 12% रिटर्न की उम्मीद वाजिब है?

- इस उदाहरण में 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न केवल गणना के लिए लिया गया है। यह कोई गारंटीड रिटर्न नहीं है।
- हालांकि पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और कई इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने लंबी अवधि में लगभग इसी स्तर या इससे अधिक का औसत रिटर्न दिया है। हालांकि बाजार जोखिम हमेशा बना रहता है और किसी भी वर्ष रिटर्न कम या ज्यादा हो सकता है।

रिटायरमेंट बाद कैसे मिलेगी हर माह आय

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है नियमित आय का स्रोत बनाए रखना। यही काम एसडब्ल्यूपी करता है। मान लीजिए रिटायरमेंट के समय निवेशक के पास 1.50 करोड़ रुपये का फंड है और वह इसे किसी मीडियम ड्यूरेशन डेट फंड या कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश करता है।

यदि निम्नलिखित मान्यताएं ली जाएं

- निवेश राशि : 1.50 करोड़ रुपये
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 6%
- मासिक निकासी : 1 लाख
- निकासी अवधि : 12 वर्ष
- इस अवधि में कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये
- निकासी के दौरान अर्जित लाभ: लगभग 43.13 लाख रुपये
- 12 वर्ष बाद बची राशि : लगभग 4.13 लाख रुपये
- इस तरह निवेशक पूरे 12 वर्षों तक हर महीने 1 लाख प्राप्त कर सकता है, जबकि शेष राशि निवेशित रहकर रिटर्न भी अर्जित करती रहती है।

एसडब्ल्यूपी क्यों है बेहतर विकल्प

यदि रिटायरमेंट के समय पूरी राशि एक साथ निकाल ली जाए तो उसके जल्दी खत्म होने का खतरा रहता है। इसके विपरीत एसडब्ल्यूपी में केवल जरूरत के अनुसार हर महीने निश्चित राशि निकाली जाती है और बाकी पैसा निवेशित रहता है। इससे फंड अधिक समय तक चलता है और नियमित आय भी मिलती रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार एसडब्ल्यूपी पारंपरिक पेंशन की तरह नियमित नकदी प्रवाह उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

किन बातों का रखें ध्यान

- इक्विटी में 12% और डेट फंड में 6% रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती।
- रिटायरमेंट के नजदीक आते समय पोर्टफोलियो में जोखिम धीरे-धीरे कम करना चाहिए।
- महंगाई को ध्यान में रखते हुए रिटायरमेंट फंड का लक्ष्य तय करें।
- एसडब्ल्यूपी की मासिक राशि अपने खर्च और उपलब्ध कॉर्पस के अनुसार निर्धारित करें।
- समय-समय पर निवेश की समीक्षा करते रहें।

ऐसे समझें पूरा गणित

एसआईपी चरण

●शुरुआत : 28 वर्ष की आयु ●मासिक एसआईपी : 1,000 रुपये ●हर साल बढ़ोतरी : 10% ●अवधि : 32 वर्ष ●अनुमानित रिटर्न : 12% ●कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये ●अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये

एसडब्ल्यूपी चरण

● शुरुआती फंड : 1.50 करोड़ रुपये ● अनुमानित रिटर्न : 6% ●मासिक निकासी : 1 लाख रुपये ●अवधि : 12 वर्ष ●कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये

खबर संक्षेप

एकादशी पर देसी घी के हलवे का प्रसाद वितरित

महेंद्रगढ़। एकादशी पर्व पर नगर के परशुराम चौक पर पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी जनहित एवं धार्मिक परंपरा को निभाते हुए श्रद्धालुओं के लिए देसी घी के हलवे के प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण कर धार्मिक आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धा और सेवा का सुंदर संगम देखने को मिला। रामलीला के पूर्व संरक्षक घीसाराम सैनी ने बताया कि एकादशी का पर्व भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में विशेष महत्व रखता है।

अवैध शराब सहित आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। थाना नांगल चौधरी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि सोनू निवासी वार्ड नंबर-सात नांगल चौधरी सफेद कट्टे में अवैध शराब लेकर ढाणी ठाकरान नदी की तरफ से पैदल आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने रेडिंग पार्टी का गठन कर बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपित मौके से भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस ने काबू कर लिया। आरोपित की तलाशी लेने पर कुल 80 पब्बे देसी शराब बरामद हुए। पुलिस ने शराब को कब्जे में लेकर आरोपित के खिलाफ विरुद्ध थाना नांगल चौधरी में आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आरोपित से 24 बोतल अवैध शराब बरामद

कनीना। थाना सदर पुलिस ने एक आरोपित को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि विकास निवासी गांव कोका अपने घर से अवैध रूप से शराब बेचने का कार्य करता है। जिस पर थाना सदर पुलिस ने आरोपित के मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपित से कुल 24 बोतल अवैध शराब बरामद की।

पत्रकारिता की चुनौतियों पर गोष्ठी आज

मंडी अटेली। हरियाणा पत्रकार संघ अटेली इकाई द्वारा स्थानीय स्तर पर पत्रकारों के सशक्तिकरण एवं संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 26 जुलाई को बैठक एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह साढ़े 10 बजे लिटिल स्टार प्ले स्कूल अटेली में आयोजित होगा। इस मौके पर हरियाणा पत्रकार संघ के जिला प्रधान प्रदीप बालरोडिया, जिला संयोजक आनंद शर्मा एवं प्रख्यात साहित्यकार रोहित यादव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

मधुमक्खी पालक के फार्म से लाखों की चोरी

कनीना। शहर थाना क्षेत्र में चोरी व संपत्ति के नुकसान की घटना सामने आई है। जिस पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बारे में बिहार के मधेपुरा जिला निवासी प्रवेश कुमार, जो कनीना क्षेत्र में मधुमक्खी पालन का कार्य करता है, पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जब वह बिहार में था, तब उसके भाई व साले की अस्पताल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की सूचना मिली थी।

एक दर्जन से अधिक स्कूलों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

खंड स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव में बच्चों ने गायन, नृत्य तथा नाटक में दिखाई प्रतिभा

उत्सव की अध्यक्षता कार्यवाहक खंड शिक्षा अधिकारी सत्यवीर नाहड़िया ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। खंड स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव के विजेता अतिथियों व शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को बीएल सीएम ईईई रावमावि खोल में खंड स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें खंड के एक दर्जन से अधिक स्कूलों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य तथा नाटक में अपनी प्रतिभागी के जौहर दिखाए। जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शर्मा व डीपीसी संतोष तंवर के निर्देशन में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव की अध्यक्षता कार्यवाहक खंड शिक्षा अधिकारी एवं साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया ने की।

मेजबान विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राजपाल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में खोल, सीहा, राजपुरा, मनेठी, लुहाना, सुंदरोज, मनेठी, बुड़ौली, कुंडल, पाली, खोरी, मूंदी, भालखी व खालेटा के स्कूलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल में नीलम सेठी, सत्यपाल सिंह, विक्रम सिंह, सुधीर कुमार, टेकचंद, अनुराधा चौहान, निशा, संतोष, व सारिका शामिल थे। प्राध्यापिका नीतू, शशिराज व शक्ति देव के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में प्राध्यापिका पूजा, सोमवीर, सुनील, यादव, आरती, योगेश, दीपक, सतीश, शहनवाज व जितेंद्र ने सहयोग दिया। विजेताओं व निर्णायक मंडल सदस्यों को आयोजन समिति की ओर से पुरस्कृत किया गया।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

खंड स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव की स्किट प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में खालेटा, सीहा, राजपुरा व मनेठी की टीम विजेता रहीं, वहीं सीनियर वर्ग में भालखी, सीहा, खोल व खोरी ने बाजी मारी। रागिनी के जूनियर वर्ग में राजपुरा, भालखी, लुहाना व सुंदरोज तथा सीनियर वर्ग में भालखी, खोल, पाली,व बुड़ौली सर्वश्रेष्ठ रहे। समूह तथा एकल नृत्य में टींट, पाली, बुड़ौली, राजपुरा, मनेठी व सुंदरोज की टीमों ने दोनों वर्गों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

नशा बेचने वालों की असली जगह जेल, पुलिस को दें सूचना: एसपी

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाते पुलिस अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस ने युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों व शिक्षा से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला रही है। अभियान के तहत आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत कराया जा रहा है, वही नशे के आदी युवाओं का इलाज कराकर फिर से समाज की मुख्यधारा में जोडा जा रहा है। पुलिस टीम लोगों से नशा करने वालों की जानकारी एकत्रित कर उनकी काउंसलिंग कराकर नशा छोड़ने के लिए प्रेरित कर रही है। अभियान के तहत पुलिस की नशा मुक्त टीम ने शनिवार को आरडीआर सीनियर सैकेंडरी स्कूल गांव हालुहेड़ा व गांव बिहारीपुर में स्टूडेंट्स व आमजन को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया।

जीवन बर्बाद कर देता है नशा

कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर युवा पीढ़ी को नशे की बुरी आदतों से बचाना होगा। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर पुलिस को दें, पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास भी नशा संबंधी सूचना है, कोई व्यक्ति नशे का प्रयोग करता है या नशे की सप्लाई इत्यादि करता है तो इस बारे पुलिस को मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 या 112 नंबर पर सूचित करे।

राजकीय बाल विद्यालय में हरियाणा राज्य गीत का गरिमामय गायन प्रारंभ

- प्रत्येक सप्ताह एक दिन प्रार्थना सभा के बाद होगा राज्य गीत गायन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। राजकीय बाल विद्यालय में राज्य गीत का गायन करते विद्यार्थी।

हरियाणा सरकार विद्यालय शिक्षा निदेशालय पंचकूला के निर्देश की अनुपालना में शनिवार को राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्रातःकालीन प्रार्थना सभा के दौरान हरियाणा राज्य-गीत का गायन उत्साह और गौरव के साथ किया गया। विद्यालय के प्राचार्य विनोद यादव के मार्गदर्शन में आयोजित सभा में समस्त स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित थे। सर्वप्रथम प्रार्थना एवं राष्ट्रीय गान के पश्चात डा. बालकिशन शर्मा की ओर से रचित हरियाणा राज्य-गीत जय जय हरियाणा का सामूहिक गायन किया गया।

इस अवसर पर शिक्षाविद मनोज वशिष्ठ ने बताया कि विभागीय आदेशानुसार अब प्रत्येक सप्ताह एक दिन प्रार्थना सभा के बाद राज्य-गीत गाया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भाईचारे और गौरव की भावना को सुदृढ़ करना है। उन्होंने बताया कि सभी विद्यार्थियों को अपनी कॉपी में राज्य-गीत लिखकर याद करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

प्राचार्य ने कहा कि यह पहल बच्चों को अपनी माटी, भाषा और संस्कृति से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विद्यालय परिवार इस आदेश को पूर्ण निष्ठा के साथ लागू करने के लिए संकल्पबद्ध है।

संत कबीर दास के विचार आज भी प्रासंगिक : लक्ष्मण

- संत कबीर चैरिटेबल ट्रस्ट ने मेधावी विद्यार्थियों और वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते विधायक लक्ष्मण यादव। फोटो : हरिभूमि

संत कबीर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार को धानक चौपाल में कबीर जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव और पूर्व डीआईजी राजेश दुग्गल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मेजर डा. टीसी राव व विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष बलजीत यादव ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी डा. स्वदेश कबीर ने की। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से 15 वरिष्ठ नागरिकों को शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। साथ ही क्षेत्र के 50 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पढ़ाई से संबंधित सामान, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि संत कबीर के विचार आज भी समाज को एकता, समानता और सद्भाव का मार्ग दिखाते हैं। पूर्व डीआईजी राजेश दुग्गल ने युवाओं को अनुशासन और मेहनत से आगे बढ़ने का संदेश दिया। डा. टीसी राव ने समाज के बच्चों की शिक्षा के लिए अपने स्तर पर लाइब्रेरी खोलने की घोषणा की। स्वामी डा. स्वदेश कबीर ने कहा कि संत कबीर के बताए मार्ग पर चलकर ही हम एक सशक्त और समरस समाज का निर्माण कर सकते हैं।

प्रतिभा सम्मान समारोह में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर वेदप्रकाश बनावल, ओमप्रकाश डाबला, दयाराम मोरवाल,राकेश सोलंकी, प्रिंसिपल महेंद्र सिंह, संदीप सोलंकी, जेई विजय कुमार डाबला, संदीप सोलंकी, गुलशन कुमार, शीशराम, अशोक मसीत, टीनू कुमार, अतरसिंह खटक, रवि इंदौरा, सोनू महावर, एडवोकेट जगत सिंह, पार्षद सुमन खरेरा, रमेश मोरवाल व मुकेश जुड्डी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

खोरी की पूजा ने फॉरेंसिक साइंस में हासिल की पीएचडी की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पूजा।

जिले के गांव खोरी निवासी पूजा ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर उपलब्धि हासिल करते हुए एसजीटी यूनिवर्सिटी से फॉरेंसिक साइंस विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उनकी इस सफलता से पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। पूजा ने इससे पहले वर्ष 2020 में एसजीटी यूनिवर्सिटी में आयोजित मिस फ्रेशर प्रतियोगिता का खिताब भी अपने नाम किया था। अब वर्ष 2026 में पीएचडी की डिग्री प्राप्त कर उन्होंने यह साबित कर दिया कि निरंतर मेहनत और दृढ़ संकल्प से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

2020 में एसजीटी विवि में मिस फ्रेशर का खिताब जीता था

ग्रामीणों का कहना है कि पूजा ने न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे खोरी गांव और रेवाड़ी जिले का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता से क्षेत्र की अन्य छात्राओं को भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा मिलेगी। पिता उमेद सिंह ने बताया कि पूजा शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं और उन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। उनका लक्ष्य भविष्य में फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में शोध और समाजहित से जुड़े कार्यों के माध्यम से देश की सेवा करना है।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष की छठी पुण्यतिथि पर की हनुमान की मूर्ति स्थापना

- वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता अंजनी की मूर्ति भी की गई स्थापित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष स्व. पंडित योगेंद्र पालीवाल की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर बाबा मोहन राम मंदिर बड़ा तालाब में पंडित योगेंद्र पालीवाल सेवा आर्मी के तत्वावधान में माता अंजनी व हनुमान जी की मूर्ति स्थापना की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव व भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने स्व. योगेंद्र पालीवाल के सामाजिक एवं संगठनात्मक योगदान को स्मरण किया। विधायक ने कहा कि स्व. पालीवाल ने भारतीय जनता पार्टी के संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ समाज सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि उनका जीवन संगठन, सेवा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण था। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता वीर कुमार यादव, नगर पालिका धारूहेड़ा के चेयरमैन अजय जांगड़ा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रामपाल यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रत्नेश बंसल, धारूहेड़ा ब्लॉक समिति के चेयरमैन दलबीर सिंह, डहीना ब्लॉक समिति के चेयरमैन करणपाल खोला, नाहड़ ब्लॉक अध्यक्ष दुष्यंत, नरेंद्र पिपल व मार्केट कमेटी के चेयरमैन अनिल सैनी सहित जिला पार्षद, नगर पार्षद व कार्यकर्ता मौजूद थे। पंडित योगेंद्र पालीवाल सेवा आर्मी के अध्यक्ष पंडित भारत पालीवाल एवं सचिव पंडित हिमांशु पालीवाल ने सभी अतिथियों व जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

एमएससी पर्यावरण विज्ञान वालों के लिए करियर के अनेक अवसर उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एमएससी पर्यावरण विज्ञान में प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थी 27 जुलाई दोपहर 3 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। विभाग में 20 सीटें उपलब्ध हैं। पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. सुमन नागपाल ने विद्यार्थियों से पर्यावरण विज्ञान जैसे रोजगारपरक विषय में प्रवेश लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण तथा सतत विकास, प्रदूषण नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञों की मांग तेजी से बढ़ रही है। एमएससी पर्यावरण विज्ञान विद्यार्थियों को वैज्ञानिक ज्ञान, शोध क्षमता और व्यावसायिक कौशल प्रदान करता है, जिससे उनके लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करियर के अनेक अवसर उपलब्ध होते हैं।

आईजीयू में एमएससी पर्यावरण विज्ञान में 27 जुलाई तक होंगे आवेदन

डॉ. सुमन नागपाल।

डा. नागपाल ने बताया कि विभाग में उच्च गुणवत्ता एवं शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं। विभाग के शोधार्थियों ने अपने उत्कृष्ट अनुसंधान कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परामर्श कंपनियां, सरकारी विभाग, अनुसंधान संस्थान, गैर-सरकारी संगठन, उद्योग क्षेत्र, शिक्षण संस्थान तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी पीएचडी, अनुसंधान तथा अकादमिक क्षेत्र में भी अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियोंसमय रहते प्रवेश पंजीकरण कराने की अपील की है।

कवायद कार्यक्रम में विपणन तथा स्वरोजगार के अवसरों के बारे में दी गई जानकारी

प्रशिक्षण का उद्देश्य समाज की मुख्यधारा से बंदियों को जोड़ना

बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मशरूम उत्पादन का दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर मौजूद अधिकारी व प्रतिभागी।

शनिवार को जिला कारागार में अधीक्षक रेशम सिंह के मार्गदर्शन में पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मनेठी की ओर से चल रहे 10 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 जुलाई से शुरू किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को स्वरोजगार के लिए व्यावसायिक कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीक, कंपोस्ट तैयार करना, स्पॉन का चयन, फसल की देखभाल, उत्पादन, विपणन तथा स्वरोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का संचालन फैकल्टी कुलदीप दहिया और धनस्वर सिंह ने किया। इस मौके पर पीएनबी केंद्र मनेठी के निदेशक सीपी यादव ने बताया कि इस प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम बंदियों के पुनर्वास तथा समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को प्राप्त ज्ञान का उपयोग कर भविष्य में स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कैंडल मेकिंग की भी दी गई जानकारी

इससे पूर्व जिला कारागार में कैंडल मेकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त वर्तमान में मीरपुर विश्वविद्यालय की ओर से बंदियों के लिए होटल मैनेजमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य बंदियों को विभिन्न व्यवसायिक कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर एवं रोजगारोन्मुख बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में जिला कारागार के उपाधीक्षक अजय कुमार, राकेश कुमार और रामकुमार का सहयोग रहा। कार्यक्रम में कारागार प्रशासन एवं पीएनबी केंद्र मनेठी के अधिकारी उपस्थित थे।

---

103 आंगनबाड़ी वर्कर्स और 352 हेल्परों के रिक्त पदों के लिए निकली वेकेंसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एडीसी राहुल मोदी।

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी वर्कर और हेल्पर के रिक्त पदों के लिए अस्थाई एवं मानदेय आधारित वेकेंसी निकाली गई है। वेकेंसी के लिए पात्र महिलाएं ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। एडीसी राहुल मोदी ने बताया कि जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी वर्कर और हेल्पर के रिक्त पदों पर वेकेंसी लिए दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर जानकारी ले सकते हैं। इसके अलावा रेवाड़ी.जीओवी.इन/नोटिस/आर्डर-रिगार्डिंग-डिपार्टमेंट-ऑफ-विमेन-एंड-चाईल्ड-डवलेपमेंट-डिस्ट्रिक्ट-रेवाड़ी लिंक पर भी जानकारी ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि जिले में विभिन्न वार्डों और ग्राम पंचायतों में 103 आंगनबाड़ी वर्करों और 352 आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों के लिए वेकेंसी निकाली गई है। इन पदों पर केवल उसी वार्ड या ग्राम पंचायत की पात्र महिलाएं ही आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि इन वेकेंसी के लिए आवेदन पत्र प्राप्त करने और जमा कराने के लिए महिला एवं बाल विकास परियोजना खंड कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा गांवों में मुनादी भी कराई गई है तथा महिलाएं संबंधित वार्ड या ग्राम पंचायत के पार्षद या सरपंच से भी संपर्क कर सकती हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गाम पंचायत श्री केशव नगर (बहोतवास भोंदू) द्वारा 850 किलो लोहे के गाटर, पत्थर छत की 729 वर्ग फीट टुकड़ी, पुरानी सबमर्शिबिल मोटर, एक लोहे की अलमारी, एक लोहे का रेहडू इत्यादि की खुली बोली दिनांक 03/08/2026 को प्रातः 10 बजे एससी चौपाल में की जाएगी। नियम व शर्तें मौके पर बताई जाएंगी।

सरपंच
ग्राम पंचायत श्री केशवनगर
खंड जाटूसाना (रेवाड़ी)
मो 8053681477

नए आरटीए सचिव की ओर से शुरू करवाई जाएगी प्रक्रिया

खाली करवाई जाएगी आईडीटीआर की जमीन तारबंदी के लिए सरकार से मांगा जाएगा बजट

नेशनल हाइवे पर होने के कारण इस जमीन के दाम इस समय प्रति एकड़ करोड़ों रुपये में पहुंच चुके हैं

रेवाड़ी। आईडीटीआर की जमीन पर चल रहा कबाड़ी का गोदाम तथा हरिभूमि में 21 जुलाई को प्रकाशित समाचार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर अतिक्रमण का शिकार बनी इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइवर ट्रेनिंग एंड रिसर्च यानी आईडीटीआर की जमीन को जल्द खाली कराने की दिशा में प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। आने वाले सप्ताह में आरटीए ऑफिस की ओर से सरकार को जमीन की तारबंदी कराने के लिए बजट स्वीकृत करने का पत्र प्रेषित किया जाएगा। करोड़ों रुपये की इस जमीन पर न सिर्फ खेती की जा रही है, बल्कि व्यावसायिक गतिविधियां भी चलाई जा रही हैं।

प्रदेश सरकार की हर जिले में आईडीटीआर का निर्माण कराने की योजना के तहत ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे के दोनों ओर वर्ष 2006 में 27.5 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया था। भूमालिकों को जमीन का मुआवजा देने के बाद विभाग ने जमीन का कब्जा लेकर तारबंदी भी करा दी थी। इसके बाद आईडीटीआर बनना तो दूर, विभाग के अधिकारियों ने अपनी करोड़ों रुपये की बेशकीमती जमीन की ओर झांककर देखना भी जरूरी नहीं समझा। समय बीतने के साथ ही इस जमीन से पोल व तार हटाने शुरू कर दिए गए। अब इस सरकारी जमीन पर न केवल खेती की जा रही है, बल्कि इस पर अतिक्रमण करते हुए व्यावसायिक गतिविधियों को भी अंजाम दिया जा रहा है। अधिकारियों को इस बात की जानकारी तक नहीं थी कि विभाग की करोड़ों रुपये की जमीन का इस्तेमाल दूसरे लोग कर रहे हैं। 'हरिभूमि' ने गत 21 जुलाई को यह मामला प्रमुखता से उठाया था, जिसके बाद विभाग के अधिकारियों ने जमीन के कागजात खंगालने शुरू कर दिए।

सरकार को पत्र लिखा जाएगा

विभाग के टीआई संदीप कुमार ने बताया कि आरटीए सचिव के निर्देश पर इस जमीन को खाली कराने की दिशा में जल्द प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अगले सप्ताह सरकार को पत्र लिखकर तारबंदी कराने के लिए बजट की मांग की जाएगी। सरकार से बजट मिलते ही इस जमीन को पूरी तरह से खाली करा लिया जाएगा।

जमीन के दाम पहुंचे आसमान पर

जिस समय इस जमीन का अधिग्रहण किया गया, उस समय जमीन की कीमत प्रति एकड़ चंद लाख रुपये थी। नेशनल हाइवे पर होने के कारण इस जमीन के दाम इस समय प्रति एकड़ करोड़ों रुपये में पहुंच चुके हैं। कुछ लोगों ने तो जमीन पर पुख्ता निर्माण भी करने शुरू कर दिए हैं, जिससे विभाग के लिए आने वाले समय में जमीन खाली कराना 'टेढ़ी खीर' साबित हो सकता है।

जमीन की पैमाइश की तैयारी

हाल ही में आरटीए सचिव का पदभार संभालने के बाद विकास कौशिक ने आईडीटीआर की जमीन को खाली कराने की दिशा में प्रक्रिया शुरू कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने अधिनस्थ अधिकारियों को आईडीटीआर की जमीन से संबंधित दस्तावेजों का निरीक्षण करते हुए जमीन की पैमाइश कराने और इसे खाली कराने की दिशा में कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

रेवाड़ी। वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन करते तथा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कांग्रेसी।

नेताओं की गिरफ्तारी पर बिफरे कांग्रेसी प्रदर्शन कर डीसी को सौंपा ज्ञापन

- केंद्र सरकार और धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की
- नीट पेपर लीक प्रकरण पर सरकार ने अपनी नाकामी को छुपाने का प्रयास किया

प्रदर्शन के दौरान पीड़ितों को उचित मुआवजे की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस की जिला इकाई ने शनिवार को शहर में प्रदर्शन करने के बाद डीसी को राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन दिया। इस दौरान केंद्र सरकार और धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुभाष छावड़ी और शहरी प्रधान प्रवीन चौधरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता और छात्र एकत्रित हुए। शहर की सड़कों पर प्रदर्शन करते हुए राजीव चौक पर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सुभाष छावड़ी ने कहा कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज व कांग्रेस के सीनियर नेताओं की गिरफ्तारी से भाजपा सरकार ने दमनकारी नीति का परिचय दिया है। नीट पेपर लीक प्रकरण पर सरकार ने अपनी नाकामी को छुपाने का प्रयास किया है।

शहरी अध्यक्ष प्रवीन चौधरी ने कहा कि देश के युवाओं के भविष्य को लेकर कांग्रेस पार्टी सड़क से संसद तक हर लड़ाई लड़ने को तैयार है। इसके बाद कांग्रेसी नेताओं ने डीसी को राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन दिया, जिसमें प्रदर्शन के दौरान पीड़ितों को उचित मुआवजे की मांग की गई।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व मंत्री डा. एमएल रंगा, पूर्व जिला अध्यक्ष दीवान सिंह चौहान, ब्लॉक प्रधान खोल विजय बैरियर, ब्लॉक प्रधान जाटूसाना मनोज यादव, ब्लॉक प्रधान नाहड़ हेमंत गौड़, नीलम भगवाड़िया, जवान सिंह, दिनेश राजेन्द्र ठेकेदार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेंद्र छाबड़ा, नवल धारूहेड़ा, पप्पू पहलवान, मनोज यादव, रेखा दहिया, आशीष यादव, संदीप कसाना, दिनेश महालावत, पूर्ण पहलवान, हेमंत चौहान, महिपाल सरपंच, महेंद्र सरपंच, अरविंद दिशोदिया व अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में एक महिला गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने पुन्सिका में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर गत 13 मई को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित पक्ष की ओर से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में मधु नाम की एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जांच में शामिल करने के बाद उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना मेला आज

बावल। अंत्योदय परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 26 जुलाई को बावल में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला नगर पालिका बावल परिसर में आयोजित होगा। मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार करेंगे। एडीसी मोदी ने बताया कि मेले में विभिन्न विभागों के अधिकारी अपनी-अपनी योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री एवं दस्तावेजों की जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

प्रकृति व मानवता के प्रति सभी का नैतिक दायित्वः डा. सोलखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

रेवाड़ी। आईजीयू में पौधारोपण करते हुए सीजेएम, शिक्षक व विद्यार्थी।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के विधि विभाग की लीगल एड सेल की ओर से पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विधि विभागाध्यक्ष प्रो. तेज सिंह के नेतृत्व तथा लीगल एड सेल की समन्वयक डा. कुसुम यादव के संयोजन में आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सीजेएम एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. रेणु सोलख ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन एवं भावी पीढ़ियों के लिए हरित वातावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक-से-अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति और मानवता के प्रति हमारा नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। इस अवसर पर विधि विभाग के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न पौधे लगाए। विधि विभाग के सदस्यों ने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाकर तथा उनका संरक्षण कर हरित भारत, स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार करने में योगदान देने की अपील की।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में विभाग के संकाय सदस्य डा. हेमंत कुमार यादव, डा. पूनम रानी, डा. स्मृति, डा. संदीप कुमार, डा. अरविंद कुमार, डा. अनिल वर्मा, डा. मनीष कुमार, डा. अनिल डागर, लिपिक चंद्रशेखर व सहायक प्यारेलाल ने सहयोग दिया।

गांव जाहिदपुर से किशोर लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली क्षेत्र के गांव से एक किशोर बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गया। गांव जाहिदपुर निवासी शकुंतला देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका 15 वर्षीय पुत्र अनंत यादव बिना बताए घर से लापता हो गया। उन्होंने अपने स्तर पर रिश्तेदारों, मित्रों तथा स्कूल और आस पास के सभी स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन अभी तक बच्चे का कोई पता नहीं चला है। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

न्यूज डायरी

विधायक ने की आमजन की शिकायतों की सुनवाई

कोसली। कोसली के विधायक अनिल यादव ने शनिवार को अनाज मंडी स्थित अपने कार्यालय में आमजन की शिकायतों को सुनकर अधिकांश का मौके पर ही निपटारा किया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश अनुसार सरकार के सभी मंत्री और विधायक लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं का निवारण कर रहे हैं। अनिल यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह तथा स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने भी जनता से जुड़े मुद्दों का निवारण करने का प्रयास कर रहे है। समाधान शिविर में चेयरमैन दुष्यंत सिंह, कपिल चेयरमैन, मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन दिनेश गोयल, जिला पार्षद जीवन हितैषी, मंडल अध्यक्ष हरीश दायमा, जिला सचिव सरदार सिंह बहाला, उदयभान डागर, दीपक कोसली, व मनिंद्र यादव मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों की दी जानकारी

रेवाड़ी। दिल्ली रोड स्थित सतीश पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में शनिवार को पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की मुख्यातिथि प्रांत नारी शक्ति प्रमुख एकता व सह जिला संयोजक प्रयावरण संरक्षण गतिविधियां रविन्द्र यादव मुख्य वक्ता थे। इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण अभियान, पानी का सयंमित उपयोग, पॉलीथिन से बचाव, कपड़े के बैग के प्रयोग, वेस्ट का पुनः प्रयोग, ईको ब्रिक बनाने, सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने, कचरे का सही निस्तारण करने व पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर देश में चल रहे पर्यावरण संरक्षण कंपटीशन एनएचपीसी के बारे में अवगत कराया गया, जिसमें, जिला रेवाड़ी रजिस्ट्रेशन में पहले स्थान पर चल रहा है। इस मौके पर संयोजक रविन्द्र यादव ने शिक्षकों व विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण भी किया। स्कूल की प्रिंसिपल संगीता यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उषा रुस्तगी सहित सभी शिक्षक मौजूद थे।

विद्यार्थियों ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता का संदेश

रेवाड़ी। नगर परिषद की ओर से चलाए जा रहे सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत शनिवार को वासुदेव प्रसाद अग्रवाल कॉन्वेंट स्कूल में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहर में हरियाली बढ़ाना, पर्यावरण को संतुलित रखना और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान स्कूल परिसर में विभिन्न प्रजातियों के नए पौधे लगाए गए। नगर परिषद की आईईसी टीम ने शिक्षकों और विद्यार्थियो के साथ मिलकर पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान अधिकारियों ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें और अधिक से अधिक पौधे लगाएं। टीम ने कहा कि मानसून के मौसम में बीमारियों से बचाव के लिए स्वच्छता और हरियाली दोनों ही बेहद जरूरी हैं। इस मौके पर प्रिंसिपल ममता यादव, सपना, सविता, प्रीति व प्रिंसिपल ज्योति शर्मा, सविता, सुमन और रितेश आलोनकर, कृष्ण सभ्रवाल, सुमन, राधा व अंजू सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद थे।

श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर मनाया देवशयनी एकादशी का पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हिंदू धर्म में एकादशी का व्रत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रत्येक वर्ष 24 एकादशियां होती हैं। जब अधिकमास या मलमास आता है तब इनकी संख्या बढकर 26 हो जाती है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी भी कहा जाता है। एकादशी पर शनिवार को श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर भगवान विष्णु की आराधना कर मनवांछित फल की कामना की। दैनिक कार्यों से निवृत्त होकर श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर क्षेत्र के मंदिरों में जाकर भगवान विष्णु की पूरे विधि-विधान के अनुसार पूजा-अर्चना की। महिला श्रद्धालुओं ने भी अपनी कॉलोनियों में एकत्रित होकर भगवान विष्णु को समर्पित भजन कीर्तन का आयोजन किया और प्रसाद भी वितरित किया। ज्योतिषाचार्य पंडित अजय शास्त्री का कहना है कि इसी दिन से चातुर्मास का आरंभ माना जाता है। भगवान श्री हरि विष्णु क्षीरसागर में शयन करते हैं और फिर लगभग 4 माह बाद तुला राशि में सूर्य के जाने पर उन्हें उठाया जाता है। उस दिन को देवोत्थानी एकादशी कहा जाता है। इस बीच के अंतराल को ही चातुर्मास कहा गया है। उनका कहना है कि चातुर्मास के लग जाने से यज्ञोपवीत संस्कार, विवाह, दीक्षाग्रहण, यज्ञ, गृहप्रवेश, गोदान, प्रतिष्ठा एवं जितने भी शुभ कर्म है, वे सभी वर्जित होते हैं। उनका कहना है कि धार्मिक शास्त्रों में भी उल्लेख है कि एकादशी तिथि को शंखासुर दैत्य मारा गया था। भगवान चार मास तक क्षीर समुद्र में शयन करते है। धार्मिक ग्रंथों में यह भी उल्लेख है कि इस दिन उपवास करने से जानबूझकर या अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

शिक्षा विभाग से एईओ भूपेन्द्र यादव व एईईओ सुनील कुमार ने स्पर्धाओं का शुभारंभ कराया

जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताएं शुरू खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो में दिखाए जौहर

रेवाड़ी। ताइक्वांडो प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए तथा ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भिड़ते हुए खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

26 को अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग में लड़कियों की नेटबॉल प्रतियोगिता होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शनिवार को शिक्षा विभाग की ओर से जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आगाज किया गया, जिसमें खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा के जौहर दिखाए। पहले दिन राव तुलाराम स्टेडियम में लड़कों व लड़कियों की अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग की तलवारबाजी, राव शूटिंग अकादमी में गर्ल्स की शूटिंग प्रतियोगिता तथा जीडी गोयनका स्कूल में ताईक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

26 जुलाई को राजकीय विद्यालय ततारपुर इस्तमुरार में अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग में लड़कियों की नेटबॉल प्रतियोगिता होगी। शिक्षा विभाग से एईओ भूपेन्द्र यादव व एईईओ सुनील कुमार ने प्रतियोगिताओं का शुभारंभ कराया।

ये रहे गर्ल्स ताइक्वांडो के विजेता

अंडर-14 गर्ल्स आयु वर्ग के 20 किलोग्राम भार में अराध्या विजेता रही

अंडर-14 गर्ल्स आयु वर्ग के 20 किलोग्राम भार में अराध्या, 22 किलो में दिव्यांशी, 24 किलो में रक्षिता, 26 किलो में ऐंजल, 29 किलो में दिव्या, 32 किलो में हिमाद्री, 35 किलो में हरिद्या, 38 किलो में निशिका व 38 किलोग्राम से अधिक में दिविजा विजेता रही। अंडर-17 आयु वर्ग 32 किलोग्राम भार में नियति, 35 किलो में पायल, 38 किलो में सेजल, 42 किलो में सारिका, 44 किलो में कशिश, 46 किलो में रिधि, 49 किलो में प्रांजल, 52 किलो में नीरज, 55 किलो में याशिका, 59 किलो में मोहिता व 68 किलो भार वर्ग में वंशिका विजेता रही। वही अंडर-19 आयु वर्ग के 40 किलोग्राम भार वर्ग में नेहल, 42 किलो में परिधि, 44 किलो में अनुसका, 49 किलो में हीरल, 52 किलो में गीत, 55 किलो में छवि, 59 किलो में प्रियांशी, 63 किलो में कशिश, 68 किलो में तशिका व 68 किलोग्राम से अधिक में अंजलि विजेता रही।

संगठनों ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

कोसली। भीम आर्मी भारत एकता मिशन एवं आजाद समाज पार्टी की ओर से शनिवार को कोसली एसडीएम विजय यादव को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। संगठनों ने दिल्ली में सीजेपी छात्र आंदोलन में शामिल छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उनकी लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे सभी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शनकारियों के साथ किसी भी प्रकार का अनावश्यक बल प्रयोग न किया जाए तथा उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की जाए। यदि किसी छात्र के साथ अनुचित व्यवहार या अत्यधिक बल प्रयोग हुआ है, तो उसकी निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने पर विधि अनुसार कार्रवाई की जाए। आंदोलन के दौरान किसी भी छात्र के जीवन, स्वतंत्रता एवं सम्मान की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक निर्देश जारी किए जाएं। इस मौके पर अनेक नागरिक मौजूद थे।

31 को जारी होगी ड्राफ्ट सूची

रेवाड़ी। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से हरियाणा में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की ड्राफ्ट सूची का प्रकाशन 31 जुलाई को होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार 31 जुलाई से 30 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएगी, जिनका समाधान 28 सितंबर तक किया जाएगा। अंतिम नामावली यानी फाइनल वोटर लिस्ट 3 अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी। डीसी ने बताया कि जिले में 24 जुलाई तक 739338 मतदाताओं में से 642123 (86.85 प्रतिशत) मतदाताओं के फार्म डिजिटाइज्ड-अपलोड किए जा चुके है तथा 97215 (13.15 प्रतिशत) मतदाताओं के फार्म एनक्लैक्टेबल मार्क किए गए है। उन्होंने बताया कि 72-बावल (अजा) के 230037 मतदाताओं में से 204578 (88.93 प्रतिशत) मतदाताओं के फार्म डिजिटलाइज्ड, 73-कोसली के 248951 मतदाताओं में से 228427 (91.76 प्रतिशत) तथा 74-रेवाड़ी के 260350 मतदाताओं में से 209118 (80.32 प्रतिशत) मतदाताओं के गणना प्रपत्र डिजिटलाइज्ड किए जा चुके है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 26 जुलाई 2026

आषाढ़ बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए फिर बन जाएं बच्चे

रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।

समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलती है।

तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने पर हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढ़ने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।

भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक थेरेपी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।

कागज की कश्ती से दोस्ती: 'वो कागज की कश्ती, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नज्म वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कश्ती को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!

नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।

झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों की डालियों पर रस्सियों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।

फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।

लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुए, मूंगदाल के चीले, गरमा-गरम पकोड़े और अदरक वाली चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुत्फ और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलोरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।

हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पत्तियों पर अटकी बूंदें, रेंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विस्मय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। *

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बादलों की गड़गड़ाहट, मेंढकों की टर्र-टर्र, झींगुरों की आवाज और पत्तियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ

सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।

लाइफस्टाइल
अंजू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।

स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोंटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।

व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घाओं या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।

शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जीबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुनें या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में हीलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

अकेलापन वृद्ध अवस्था में एक साइलेंट किलर की तरह काम करता है। थिएटर और कंसर्ट हॉल जैसे सार्वजनिक स्थान लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव खत्म होता है और जीवन जीने की इच्छा मजबूत होती है। *

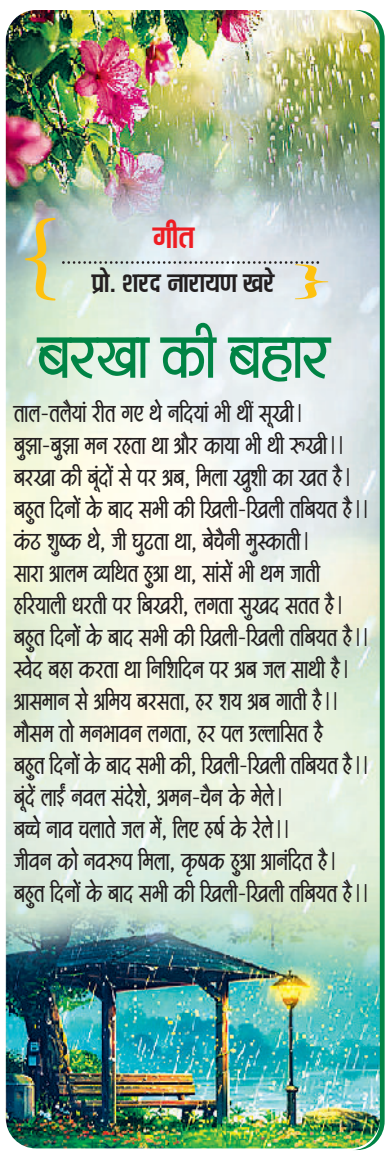

गीत
प्रो. शरद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थीं सूखी।
बुझा-बुझा मन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, मिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेचैनी मुस्काती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सांसें भी थम जाती
हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
स्वेद बहा करता था निशिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से अमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
मौसम तो मनभावन लगता, हर पल उल्लासित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, खिली-खिली तबियत है।।
बूंदें लाईं नवल संदेशे, अमन-चैन के मेले।
बच्चे नाव चलाते जल में, लिए हर्ष के रेले।।
जीवन को नवरूप मिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।

लघुकथा / संजय मृदुल

गुरु दक्षिणा

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से डूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'

'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।

'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूं देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से यहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।

'तुम अचानक यहां कैसे बेटा? और तुम्हे हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।'

रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सैल हो गई थी। रोज-रोज की मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।

'क्या सोचने लगी आंटी? मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।

'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।'

'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया।

'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुधर जाएंगे। बस सब्र रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटा। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

समय-समाज की कहानियां

गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षरण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में हार मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खटराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दांपत्य जीवन से आबद्ध दो सहेलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सोंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। *

मिनी और अन्य कहानियाँ
अवधेश प्रीत

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), **लेखक:** अवधेश प्रीत, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हरियाली से ढंकी वादियों वाला कुर्ग

कर्नाटक राज्य में स्थित कुर्ग, दक्षिण भारत का सबसे विख्यात मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशन है। जुलाई-अगस्त के महीने में यह स्थान कोहरे से ढंके कॉफी प्लांटेशनों, पानी से भरे झरनों और हरे-भरे जंगलों में तब्दील हो जाता है। इन्हीं महीनों में ही यहां कक्काडा का कोडव माह भी पड़ता है, जब बांस, जंगली मशरूम और मेडिसिनल यूज वाली मड्डु थोप्प पत्तियां, स्थानीय व्यंजनों का हिस्सा बन जाती हैं। आप यहां पहाड़ों में लॉन्ग ड्राइव करते हुए ऐबी फाल्स, राजा की सीट और दुबारे एलीफैंट कैंप पर रुक सकते हैं या प्लांटेशन स्टे में रहकर बारिश का आनंद ले सकते हैं। *

शांत-मनमोहक हिल स्टेशन भंडारदरा

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित एक बेहद खूबसूरत और शांत हिल स्टेशन है भंडारदरा। यह सह्याद्री की पहाड़ियों में प्रवारा नदी के किनारे बसा हुआ है और अपने शानदार झरनों, प्राचीन किलों और हरी-भरी वादियों के लिए जाना जाता है। यह मुंबई से लगभग 185 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग से गाड़ी द्वारा यहां पहुंचने में करीब 4 से 4.5 घंटे का समय लगता है। यहां के प्रमुख आकर्षणों में से एक विल्सन डैम, प्रवारा नदी पर बना भारत के सबसे पुराने बांधों में से एक है। बारिश के मौसम में विल्सन डैम से गिरता हुआ पानी बिल्कुल छतरी जैसा आकार बनाता है, इसीलिए इसे अंब्रेला फॉल कहते हैं। यहां स्थित रंधा फॉल को 'इंडियन नियाग्रा फॉल्स' भी कहा जाता है, जो एक गहरी खाई में लगभग 170 फीट की ऊंचाई से गिरता है। इस धुंध भरे मौसम में भंडारदरा में कैंपिंग का भरपूर आनंद ले सकते हैं। *

{ सीजनल ट्रैवलिंग / समीर चौधरी }

जुलाई-अगस्त के महीनों में जहां देश के अधिकांश हिस्से बारिश से सराबोर रहते हैं, वहीं कुछ खूबसूरत पर्यटन स्थल, इस मौसम में और भी मोहक और आकर्षक हो जाते हैं। कहीं फूलों की घाटियां खिल उठती हैं, तो कहीं झरने, जंगल, पहाड़ और धुंध पर्यटकों को शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। यहां देश के ऐसे ही कुछ शानदार मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशंस के बारे में बता रहे हैं।

मानसून में घुमक्कड़ी के लिए बेस्ट ये अमेजिंग ट्रैवल डेस्टिनेशंस

हिमालय की गोद में बसी फूलों की घाटी

जुलाई-अगस्त में उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित फूलों की घाटी, जो कि यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में लिस्टेड है, भी खिलने लगती है। हजारों अल्पाइन फूल पश्चिम हिमालय की गोद में बसी इस वादी को रंगों के इंद्रधनुष में बदल देते हैं। यह खूबसूरत घाटी साल में सीमित समय (1 जून से 31 अक्टूबर) के लिए ही खुलती है क्योंकि यह अधिकतर समय बर्फ से ढंकी रहती है। फूलों की घाटी की सैर करते हुए आप हेमकुंड साहिब भी जा सकते हैं जो एक सिख धर्मावलंबियों का तीर्थ स्थल है और इसी मौसम में दर्शन के लिए खुलता है। *

सुंदर-मनमोहक लैंडस्केप तवांग

अरुणाचल प्रदेश में तवांग की यात्रा करने के लिए भी सबसे अच्छा महीना जुलाई-अगस्त ही है। ऊंचाई पर बसे इस शहर में तापमान ठंडा रहता है और हरे-भरे पहाड़ी लैंडस्केप आकर्षित करते हैं। सेला पास, माधुरी झील और बुम-ला का कुदरती सौंदर्य आप कभी नहीं भूल पाएंगे। अगर मौसम खराब न हो तो कुछ समय 17वीं शताब्दी में निर्मित तवांग मठ में भी अवश्य गुजारें। यह भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ है। इसके साथ ही यहां फूलों भरी घाटियां और घुमावदार ग्लेशियर झीलें भी दर्शनीय हैं। *

जन्नत जैसा लाहौल-स्पीति

हिमाचल प्रदेश में पहले लाहौल और स्पीति के रूप में दो अलग-अलग जिले थे, लेकिन अब इन्हें मिलाकर एक जिला लाहौल-स्पीति कर दिया गया है। जुलाई के महीने में इस क्षेत्र में पर्यटकों के आने का सिलसिला शुरू हो जाता है, क्योंकि बर्फ पिघलना आरंभ हो जाती है और सड़कों पर चलना संभव हो जाता है। एडवेंचर पसंद करने वालों, प्रकृति प्रेमियों और शहरी जीवन की तेजी व शोर-शराबे से बचने वालों के लिए लाहौल-स्पीति जुलाई-अगस्त के महीनों में जन्नत जैसा हो जाता है। इस समय मौसम इतना सुहावना होता है कि ठंड का एहसास तक नहीं होता और गर्मी लगने का तो सवाल ही नहीं उठता है। सबसे अच्छी बात यह है कि लाहौल-स्पीति, रेन शैडो एरिया है, जिसका अर्थ है कि यहां जुलाई में न के बराबर बारिश पड़ती है, इसलिए जब देश के बाकी हिस्सों में मानसून अपने चरम पर होता है तो उससे बचने के लिए लाहौल-स्पीति में आनंदमय शरण ली जा सकती है। *

कांवड़ यात्रा शिवभक्ति के साथ संकल्प-श्रद्धा की पावन यात्रा

कंधों पर कांवड़, पैरों में छाले और जुबां पर सिर्फ एक ही उद्घोष- हर-हर महादेव। सावन आते ही सड़कों पर उमड़ता आस्था का यह जनसैलाब, सदियों पुरानी उस परंपरा की कहानी कहता है, जहां आस्था, त्याग और शिवभक्ति साथ-साथ चलते हैं।

{ आस्था / शिखर चंद जैन }

शिव आराधना का सबसे पावन और कठिन अनुष्ठान है कांवड़ यात्रा। श्रावण मास की शुरुआत से ही चारों ओर 'बम-बम भोले', 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' की गूंज सुनाई देने लगती है। केसरिया वस्त्र पहने लाखों श्रद्धालु कांवड़िए पवित्र नदियों से जल भरकर पैदल यात्रा करते हैं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अगाध श्रद्धा, मानसिक संकल्प और शारीरिक सहिष्णुता का जीवंत प्रतीक है। ऊंच-नीच के भेदभाव को भुलाकर, केवल शिव भक्ति में लीन होकर एक ही दिशा में कदम बढ़ाना इस यात्रा को अलौकिक और अद्वितीय बनाता है।

कांवड़ यात्रा की शुरुआतः कांवड़ यात्रा की शुरुआत को लेकर कई धार्मिक-पौराणिक कथाएं एवं मान्यताएं प्रचलित हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार परशुराम जी को सबसे पहला कांवड़िया माना जाता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के बागपत के पास 'पुरा महादेव' नाम के दिव्य शिवलिंग की स्थापना की थी। परशुराम जी ने गढ़मुक्तेश्वर से पवित्र गंगाजल लाकर इस शिवलिंग पर जलाभिषेक किया था। उस समय श्रावण मास चल रहा था। तभी से इस परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के समय जब हलाहल विष निकला, तो ब्रह्मांड को बचाने के लिए भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से शिव जी का कंठ नीला पड़ गया और उनका शरीर तपने लगा। शिव जी के शरीर की जलन को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने उन पर पवित्र नदियों का जल चढ़ाया। रावण द्वारा वैद्यनाथ धाम में गंगाजल लाकर शिव जी को अर्पित करने की कथा भी प्रचलित है।

कांवड़ यात्रा की महत्ताः यात्रा के दौरान कांवड़िए मांस, मदिरा, तामसिक भोजन और अपशब्दों से पूरी तरह दूर रहते हैं। बिना जूते-चप्पल के पैदल चलना सहनशीलता सिखाता है। मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से गंगाजल लाकर शिव जी का अभिषेक करता है, उसकी सभी सांसारिक बाधाएं दूर हो जाती हैं और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

कई प्रकार की कांवड़ यात्राएं

सामान्य कांवड़ः इसमें कांवड़िए आराम से यात्रा करते हैं। वे रास्ते में बने शिविरों में रुक सकते हैं, भोजन कर सकते हैं और सो सकते हैं। रुकने के दौरान कांवड़ को स्टैंड या पेड़ पर टांगा जाता है।

डाक कांवड़ः इसमें जल भरने के बाद कांवड़िया बिना रुके लगातार दौड़ता या तेज चलता है। यदि कोई डाक कांवड़िया थक जाता है, तो उसकी टीम का दूसरा सदस्य कांवड़ लेकर दौड़ना शुरू करता है।

खड़ी कांवड़ः इस यात्रा में कांवड़ को हमेशा गति में रखना होता है। यदि कांवड़िया आराम करता है, सोता है तो उसकी जगह किसी दूसरे सहयोगी को कांवड़ को अपने कंधे पर लेकर खड़े रहना या चलना पड़ता है।

दंडी कांवड़ः इसमें श्रद्धालु नदी से जल भरने के बाद शिव मंदिर तक की पूरी दूरी साष्टांग प्रणाम करते हुए पूरी करते हैं। इस यात्रा को पूरा करने में हफ्तों या महीनों का समय लग जाता है।

प्रसिद्ध कांवड़ यात्राएंः भारत में दो सबसे बड़ी कांवड़ यात्राएं आयोजित होती हैं। पहली हरिद्वार यात्रा, जिसमें श्रद्धालु हरिद्वार, ऋषिकेश या गौमुख से गंगाजल भरते हैं। ये श्रद्धालु वापस आकर अपने स्थानीय शिव मंदिरों में जल चढ़ाते हैं। दूसरी सुल्तानगंज से देवघर तक की यात्रा। इस यात्रा में श्रद्धालु सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल लेते हैं और देवघर स्थित वैद्यनाथ धाम में ज्योतिर्लिंग पर जल अर्पित करते हैं। *

जंगलों के नायक-रक्षक फॉरेस्ट रेंजर

जंगली जानवरों ही नहीं वन संपदा की सुरक्षा करने और उन्हें संवर्धित करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका फॉरेस्ट रेंजर्स की होती है। ये किस-किस तरह की भूमिकाएं निभाते हैं, इस बारे में आपको भी जानना चाहिए।

{ भूमिका / शैलेंद्र सिंह }

जब भी भारत के बाघों की बढ़ती संख्या, एशियाई शेरों और काजीरंगा के गैंडों की सुरक्षा या हाथियों के संरक्षण की बात होती है, तो सुर्खियों में अकसर राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य और सरकारी योजनाएं होती हैं। लेकिन इन सफलताओं के पीछे ऐसे हजारों चेहरे भी होते हैं, जिनका नाम शायद ही कभी सुर्खियां बनता हो। ये हैं हमारे फॉरेस्ट रेंजर और फ्रंट लाइन वन सुरक्षाकर्मी। ये वो लोग होते हैं, जो हर मौसम, हर परिस्थिति और हर खतरे के बीच जंगलों की रक्षा में दिन-रात डटे रहते हैं। यही कारण है कि 31 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व रेंजर दिवस केवल एक औपचारिक दिवस भर नहीं है, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

निभाते हैं कई भूमिकाएंः वन या फॉरेस्ट रेंजर का काम केवल जंगल में गश्त लगाना भर नहीं है, उसकी जिम्मेदारी वास्तव में किसी एक विभाग तक सीमित नहीं है। उन्हें वन्यजीवों की सुरक्षा करनी पड़ती है, अवैध शिकार पर नजर रखनी होती है, लकड़ी की तस्करी रोकनी होती है, जंगल में लगने वाली आग पर नियंत्रण पाना होता है, मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति में लोगों और जानवरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है और कई बार घायल वन्यजीवों के बचाव अभियान में भी हिस्सा लेना पड़ता है। मतलब यह एक ऐसी नौकरी है, जिसमें हर दिन एक नहीं बल्कि कई तरह की चुनौतियों से निपटना होता है।

कठिनाइयों में निभाते दायित्वः एक वन रेंजर का दिन अकसर सूर्योदय से पहले शुरू हो जाता है। वह कई किलोमीटर तक पैदल गश्त करता है। दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़ाई करता है। घने जंगलों में घंटों तक निगरानी करता है और रात में भी सतर्क रहना पड़ता है। यह सब उसके काम का हिस्सा है। बरसात, भीषण गर्मी या कड़ाके की ठंड, प्रकृति का कोई भी मौसम उसकी जिम्मेदारी को कम नहीं करता बल्कि कई बार उसे ऐसे इलाकों में काम करना पड़ता है, जहां मोबाइल नेटवर्क तक काम नहीं करता।

हर क्षेत्र में सक्रियः निःसंदेह आज भारत दुनिया का सबसे ज्यादा जंगली बाघों वाला देश है। लेकिन यह उपलब्धि केवल सरकारी नीतियां बना देने भर का परिणाम नहीं है बल्कि उन वन कर्मियों की सतत मेहनत का भी नतीजा है, जो कैमरा ट्रैप की निगरानी करते हैं, जंगल में गश्त करते हैं, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हैं और शिकारियों के खिलाफ कार्यवाई करते हैं। गुजरात में एशियाई शेरों की सुरक्षा का सवाल हो, असम में एक सींग वाले गैंडों का संरक्षण हो या दक्षिण भारत के हाथी गलियारों की निगरानी करनी हो, हर जगह वन रेंजर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं।

बढ़े हैं नए दायित्वः हाल के कुछ सालों में वन रेंजरों का कार्यक्षेत्र और भी ज्यादा व्यापक हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया के जंगलों में लगने वाली आग की घटनाएं बढ़ रही हैं, वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं और मानव-वन्यजीव संघर्ष के मामले भी बढ़े हैं। ऐसे में वन रेंजर अब केवल वन्यजीवों के संरक्षक भर नहीं हैं बल्कि पर्यावरणीय आपदाओं से निपटने वाले अग्रिम प्रहरी भी बन गए हैं। वे जंगलों की स्थिति का आंकलन करते हैं, जलस्रोतों की निगरानी करते हैं और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर संरक्षण योजनाओं को लागू करते हैं। तकनीक ने इनके काम को नई दिशा दी है। आज कैमरा ट्रैप, ड्रोन, जीपीएस आधारित स्मार्ट पेट्रोलिंग, रेडियो कॉलर, सैटेलाइट मैपिंग और एआई जैसे उपकरण वन्यजीव संरक्षण में मदद कर रहे हैं। मगर ये सारी तकनीक सिर्फ सहायक हैं। अंतिम निर्णय और जोखिम उठाने का साहस केवल और केवल वन रक्षकों का ही होता है। इसलिए आज भी मौके पर त्वरित कार्यवाई वन रेंजरों की सूझबूझ और अनुभव के जरिए ही होती है।

रिस्क भी है बहुतः फॉरेस्ट रेंजर्स का काम जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जोखिम भरा भी है। कई बार उन्हें हथियाबंद शिकारियों और वन माफिया का भी सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ जंगली हाथी, बाघ, तेंदुए या भालू जैसे वन्यजीवों से अचानक सामना भी जानलेवा हो सकता है। जंगल की आग, बाढ़, भू-स्खलन और विषैले जीव-जंतु भी उनकी राह में कई तरह के जानलेवा रोड़े अटकाते हैं। यह अकारण नहीं है कि दुनिया में हर वर्ष बड़ी संख्या में वन रेंजर ड्यूटी के वक्त अपनी जान गंवा देते हैं। विश्व रेंजर दिवस वास्तव में ऐसे ही बहादुर वन रक्षकों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है। *

एक्टिंग की दुनिया में विक्रांत मेसी का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। टीवी से शुरू हुआ विक्रांत का सफर फिल्म और वेब सीरीज तक पहुंच चुका है। हर किरदार में कुछ नया तलाशने वाले विक्रांत इन दिनों नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। यहां प्रस्तुत है इस वेब सीरीज और एक्टिंग करियर पर विक्रांत मेसी से हुई बातचीत के प्रमुख अंश।

लवस्टोरी बेस्ड बहुत दिलचस्प वेब सीरीज है 'मुसाफिर कैफे': विक्रांत मेसी

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

विक्रांत मेसी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टीवी से की थी। उसके बाद विक्रांत ने फिल्मों में काम शुरू किया। उनको फिल्म '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कई वेब सीरीज में भी विक्रांत मेसी ने अलग-अलग तरह का अभिनय करके दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई। 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में विक्रांत मेसी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। साथ ही विक्रांत इस सीरीज के को-प्रोड्यूसर भी हैं। 'मुसाफिर कैफे' में उनका काम करने का अनुभव कैसा रहा? इसके अलावा अपने एक्टिंग करियर से जुड़े कई दिलचस्प सवालों के जवाब दिए विक्रांत मेसी ने।

रोमांटिक वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में आप एक्टर होने के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर भी हैं। इस वेब सीरीज को प्रोड्यूस करने और इसमें अभिनय करने का खयाल आपके मन में कैसे आया?

एक एक्टर की हमेशा ख्वाहिश होती है कि उसे अच्छी कहानी पर काम करने का या अभिनय करने का मौका मिले। मेरी भी हमेशा कोशिश रहती है कि मैं जो भी काम करूं या जो भी किरदार निभाऊं, उसमें मुझे कुछ अलग कुछ नया करने का मौका मिले। ऐसे में जब मुझे 'मुसाफिर कैफे' वेब सीरीज का ऑफर आया तो मुझे इसकी कहानी अच्छी लगी, लिहाजा मैंने इस वेब सीरीज में एक्टिंग करने के साथ-साथ बतौर सह निर्माता भी नई शुरुआत की। चूंकि यह सीरीज नेटफ्लिक्स की है और मैं नेटफ्लिक्स के साथ पहले भी काफी काम कर चुका हूं, इसलिए मुझे लगा कि मैं 'मुसाफिर कैफे' प्रोड्यूस भी करूं। यह लवस्टोरी पर बेस्ड बहुत ही दिलचस्प सीरीज है, जिसमें पहाड़ों में रोमांस दिखाया गया है।

'मुसाफिर कैफे' के एक सीन में को-एक्ट्रेस के साथ विक्रांत मेसी

'मुसाफिर कैफे' में रोमांस को दो तरीके से दिखाया गया है, जिसमें एक तरफ जवानी की शुरुआत के दौरान का प्यार है, जो हमें प्यार करना सिखाता है और दूसरी तरफ एक ऐसा भी प्यार है, जो सच्चे प्यार की अहमियत समझाता है। इन दोनों में से कौन-सा प्यार आपको आकर्षित करता है?

मेरे खयाल में अगर जिंदगी का तजुर्बा हासिल करना है तो दोनों प्यार का अनुभव पाना जरूरी है। एक बार प्यार में दिल टूटने के बावजूद अगर आपको दूसरा प्यार मिल जाता है तो इसके बाद आपको सच्चे प्यार की परख होती है। और यह फर्क तभी पता चलता है, जब आप दोनों प्यार की अच्छाई-बुराई का अनुभव करते हैं। जवानी में होने वाला प्यार आपको खुशी देता है, तो एक उम्र के बाद मैच्योरिटी में मिला प्यार आपको सुकून देता है। यही इस सीरीज में दिखाया गया है। इस सीरीज की कहानी दिव्य प्रकाश दुबे की नॉवेल पर बेस्ड है।

इस सीरीज में एक्टिंग के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभालना आपके लिए कितना मुश्किल या कितना आसान रहा?

सच कहूं तो मुझे तकनीकी पक्ष की ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन शरण्या राजगोपाल जैसी सक्षम लेखिका और टेरीबली टिनी टेल्स जैसे बेहतरीन प्रोडक्शन पार्टनर की वजह से बतौर निर्माता मेरे लिए काम करना आसान हो गया। इनके साथ काम करने के बाद मुझे प्रोडक्शन या तकनीकी पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत नहीं पड़ी। अगर दमदार कहानी हो, अच्छी स्क्रिप्ट और पूरी तैयारी हो तो आपको सेट पर जाकर काम करना आसान हो जाता है।

आपने छोटे पर्दे यानी टीवी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करके बड़े पर्दे पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। '12वीं फेल' के लिए तो आपको राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। अपने इस सफर को आप कैसे देखते हैं?

राष्ट्रीय पुरस्कार पाना एक कलाकार के लिए बहुत बड़े सम्मान की बात होती है। जब मुझे पता चला कि मुझे '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। बाकी जहां तक टीवी से फिल्म और फिल्म से वेब सीरीज तक अभिनय सफर की बात है तो वह मुश्किल भी रहा और मजेदार भी, क्योंकि आपको जब कड़ी मेहनत करने के बाद सफलता का मजा चखने का मौका मिलता है तो एक अंदरूनी खुशी होती है। जिसे बयां नहीं किया जा सकता है।

काम के प्रति आपका उत्साह, आपकी लगन और ऊर्जा आज भी बरकरार है। आपके प्रेरणा स्रोत कौन हैं?

एक एक्टर कभी भी अपने काम से संतुष्ट नहीं होता और उसे ऐसा लगता है कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। यही जुनून उस एक्टर के लिए प्रेरणा स्रोत होता है। जब मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला तो कई लोगों ने मुझे यही सवाल किया, 'आपका लक्ष्य तो पूरा हो गया, क्या आगे भी आप ऐसे ही काम के प्रति प्रोत्साहित रहेंगे?' ऐसे में मेरा यही मानना है पुरस्कार या सम्मान यात्रा के पड़ाव हैं। असली लक्ष्य है, अच्छी कहानी के जरिए आम लोगों के बीच सच में बदलाव करना। *